CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-314
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आत्मविश्वास ही आत्मनिर्भरता का नेतृत्व करता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 18 फरवरी 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में एक जिला

एक उत्पाद का एक्स-पो

सीएम डॉ. मोहन यादव बोले- लोकल उत्पादों को मिलेगा ग्लोबल मंच

भोपाल। राजधानी भोपाल में 24 फरवरी से आयोजित हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) का एक्सपो लगेगा। इसमें खास बात यह होगी कि समिट में आने वाले प्रतिनिधि और अतिथि भी इन उत्पादों को बनाने का अनुभव ले सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एक जिला-एक उत्पाद हमारे कारीगरों और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में एक्स-पो माध्यम से हम अपने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच देने जा रहे हैं, जिससे प्रदेश के उद्योगों, विशेष रूप से हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों को नई पहचान मिलेगी। सीएम ने कहा कि यह एक्स-पो न केवल हमारे कारीगरों के कौशल को प्रदर्शित करेगा, बल्कि उन्हें नए व्यावसायिक अवसर भी प्रदान करेगा। इसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के विशिष्ट उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे स्थानीय शिल्प, कृषि और खाद्य उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

38 उत्पादों के लगेंगे स्टॉल
एक्स-पो में प्रदेश के 38 ओडीओपी उत्पादों के लिए विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे, जिन्हें लाइव काउंटर और प्रोसेस काउंटर में विभाजित किया गया है। लाइव काउंटर में बाघ प्रिंट, जरी जरदोजी, बाटिक प्रिंट, कालीन, चंदेरी साड़ी, बांस, बलुआ पत्थर और कपड़े की जैकेट जैसे आठ प्रमुख उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया को कारीगरों द्वारा लाइव प्रस्तुत किया जाएगा। खास बात यह है कि प्रतिनिधि और अतिथि कारीगरों के मार्गदर्शन में खुद भी इन उत्पादों को बनाने का अनुभव ले सकेंगे। 'कुम्हार पुरा' और 'टेक्निकल जोन' में मानव संग्रहालय में मिट्टी के बर्तन और धातु कला के लाइव काउंटर भी आकर्षण का केंद्र होंगे।

16 लाइव काउंटरों पर कला और शिल्प का प्रदर्शन होगा
एक्स-पो में खाद्य, मसाले और फलों से जुड़े 32 ओडीओपी उत्पादों के स्टॉल पर उनकी निर्माण प्रक्रिया के साथ प्रदर्शित किया जाएगा। यहां प्रतिनिधि इन उत्पादों को न केवल देख और समझ सकेंगे, बल्कि उन्हें खरीद भी पाएंगे। साथ ही 16 लाइव काउंटरों पर मध्यप्रदेश की पारंपरिक कला और शिल्प का प्रदर्शन होगा, जहां अतिथि स्वयं इस प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।

कारीगरों के भविष्य को नई दिशा
एक्स-पो कारीगरों को नए व्यावसायिक अवसर प्रदान करेगा। प्रत्येक काउंटर पर आने वाले आगंतुकों का डेटा एकत्र किया जाएगा, जिससे भविष्य में बी-टू-बी और बी-टू-सी नेटवर्किंग के माध्यम से कारीगरों को बाजार से जोड़ा जा सके। इस डेटा प्रबंधन की जिम्मेदारी भोपाल के प्रतिष्ठित कॉलेजों के छात्रों को दी गई है, जिससे उन्हें भी व्यावहारिक अनुभव मिलेगा।

प्रवासी मध्यप्रदेश समिट होगी कुछ खास
भोपाल में 24-25 फरवरी को होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पहली बार 15 देशों के 500 एनआईआर यानी, प्रवासी भारतीय शामिल होंगे। इनमें यूके, दुबई, हांगकांग, सिंगापुर और जापान से बड़ा प्रतिनिधिमंडल रहेगा। इसके चलते प्रवासी मध्यप्रदेश समिट भी होगी। इस समिट में दुनियाभर में फैले प्रवासियों में फ्रेंडस ऑफ एमपी टीम के सदस्यों की विशेष भागीदारी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत देश के बड़े उद्योगपतियों से भी वे रूबरू हो सकेंगे। इस समिट की जिम्मेदारी ओवरसीज विभाग को दी गई है। जीआईएस में 24 और 25 फरवरी को कुल 7 डिपॉर्टमेंटल समिट होगी। उद्योगपति न्यू रिन्युएबल एनर्जी, आईटी एंड टेक्नोलॉजी, टूरिज्म, माइनिंग, एमएसएमई एंड स्टार्टअप, अर्बन डेवलपमेंट पर इन्वेस्टमेंट कर सकेंगे। सातवीं समिट को प्रवासी मध्यप्रदेश नाम दिया गया है। यह एक तरह से मध्यप्रदेश के दुनियाभर में रहने वाले प्रवासियों का महाकुंभ जैसा ही रहेगा। ज्यादातर वे उद्योगपति शामिल होंगे, जो मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं।

विदेशी मेहमानों के लिए टेंट में 5 स्टार होटल्स जैसी सुविधा
ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) में आने वाले विदेशी मेहमानों के लिए भोपाल में 108 टेंट की नई सिटी बन रही है। इनमें 5 स्टार होटल्स जैसी सारी सुविधाएं रहेंगी। एयर कंडिशनर से लेकर डबल बेड, लाइटिंग, वॉक के लिए बागीचा रहेगा, ताकि वे प्रकृति को करीब से जान सकेंगे। कलियासोत ग्राउंड के ठीक पीछे डैम और आसपास हरियाली का आकर्षक नजारा दिखाई देता है। 11 फरवरी से टेंट सिटी तैयार हो रही है। 20 फरवरी तक इसे पूरा करना है। राजस्थान की एक फर्म टेंट सिटी तैयार कर रही है। कंपनी के चक्रवर्ती सिंह के मुताबिक डेढ़ सौ से ज्यादा कारीगर और मजदूर टेंट सिटी बनाने में लगे हैं। इनमें ग्राफिक्स, पार्क, टेंट आदि काम वे कर रहे हैं। कलाकार जयपुर, मुंबई और भोपाल के हैं। आधा काम पूरा हो चुका है, जबकि बाकी 3 दिन में पूरा कर लेंगे। प्रवासी मध्यप्रदेश समिट में फ्रेंड्स ऑफ एमपी चैप्टर के प्रमुख अपने विचार रखेंगे। इनमें अबू धाबी चैप्टर की चेयरमैन लीना वैद्य, बोस्टन चैप्टर के चेयरमैन प्रमित माकोड़े, यूके चैप्टर के चेयरमैन रोहित दीक्षित, जेराल्ड क्रॉस लंदन यूके चैप्टर की प्रेरणा भारद्वाज, हाउस ऑफ लॉर्ड्स यूके की लॉर्ड रेमी रेंजर शामिल हैं।

मप्र हाईकोर्ट ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई)-2025 से जुड़े मामलों में सुनाया ऐतिहासिक फैसला

ईडब्ल्यूएस को आरक्षित वर्ग जैसी छूट

5 साल की आयु सीमा छूट और 9 अटेम्प्ट का लाभ मिलेगा

जबलपुर। जबलपुर हाईकोर्ट ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई)-2025 से जुड़े मामलों में अपने ऐतिहासिक फैसलों से ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। अब उन्हें अन्य आरक्षित वर्गों की तरह 5 साल की आयु सीमा छूट और 9 अटेम्प्ट का लाभ मिलेगा। मामले में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने वीसी के माध्यम से पैरवी कर यूपीएससी के ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को राहत दिलाई। यूपीएससी सीएसई -2025 में आवेदन की योग्यता और आयु सीमा को लेकर दायर याचिका में सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हाईकोर्ट के समक्ष पैरवी की। इस दौरान उन्होंने 10 फरवरी 2025 के आदेश का हवाला दिया, जिसमें अधिवक्ता धीरज तिवारी की ओर से की गई प्रभावी पैरवी का जिंक्र था। इससे पहले भी मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने शिक्षक चयन परीक्षा 2024 को लेकर बड़ा फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने तब इस तर्क को स्वीकार करते हुए संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 16 (सार्वजनिक रोजगार में समान अवसर) के आधार पर आदेश दिया कि एहर उम्मीदवारों को भी 5 साल की आयु छूट मिलेगी। इस फैसले से अब 45 वर्ष तक के उम्मीदवार शिक्षक चयन परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों मिलेंगे आरक्षित वर्ग के सभी लाभ

हाईकोर्ट ने यूपीएससी को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता सहित समान स्थिति वाले सभी उम्मीदवारों के आवेदन स्वीकार किए जाएं, भले ही वे मौजूदा योग्यता या उम्र की शर्तों को पूरा न कर रहे हों। खासतौर पर ईडब्ल्यूएसअभ्यर्थियों को वही आयु लाभ मिलेगा, जो अन्य आरक्षित वर्गों को प्राप्त है। इसके अलावा, अब ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को यूपीएससी परीक्षा में 9 अटेम्प्ट का अवसर भी मिलेगा, जो पहले केवल आरक्षित वर्ग के लिए उपलब्ध था। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि अंतिम नियुक्ति आदेश बिना उसकी अनुमति के जारी नहीं किए जाएंगे।

अभी तक यह होता आया है

इस मामले में यूपीएससी मंगलवार को हाईकोर्ट में अपना जवाब पेश कर सकता है। यह अंतिम फैसला नहीं है, इस मामले में सुनवाई होना बाकी है। बता दें कि मध्यप्रदेश के मैहर के आदित्य नारायण पांडेय ने हाईकोर्ट में याचिका लगाकर एहर कैंडिडेट के लिए राहत की मांग की थी। अभी तक ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों को आयुसीमा में छूट नहीं दी जाती थी और वे अधिकतम 6 अटेंप्ट दे सकते थे। बता दें कि 2025 में 979 पदों के लिए यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 25 मई को आयोजित की जाएगी।

हाईकोर्ट के फैसले का असर

हाईकोर्ट के इस फैसले का हजारों ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही अब ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को 6 की बजाय 9 अटेम्प्ट का अवसर मिलेगा। यूपीएससी सीएसई-2025 में ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को अन्य आरक्षित वर्गों के समान 5 साल की आयु छूट मिलेगी। इसके साथ ही 45 वर्ष तक के ईडब्ल्यूएस उम्मीदवार शिक्षक भर्ती परीक्षा में शामिल हो सकेंगे. हजारों उम्मीदवार जो पहले उम्र की सीमा और अटेम्प्ट लिमिट के कारण वंचित थे, वे अब आवेदन कर पाएंगे।

समानता की दिशा में ऐतिहासिक फैसला

इस फैसले से शिक्षा और प्रशासनिक सेवाओं में ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को बराबरी का अवसर मिलेगा। हाईकोर्ट के इस आदेश को संविधान की ओर से दिए गए समानता के अधिकार को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। इन फैसलों का दूरगामी प्रभाव पड़ेगा और सरकारी भर्तियों में ईडब्ल्यूएस वर्ग की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

यूनियन कार्बाइड कचरे के निपटान का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकारों से मांगा जवाब

भोपाल। भोपाल गैस त्रासदी के जानलेवा कचरे के निपटान का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर केंद्र सरकार के साथ ही मध्यप्रदेश सरकार और राज्य के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जवाब तलब किया है। शीर्ष अदालत ने स्वास्थ्य के अधिकार और इंदौर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए जोखिम के मौलिक मुद्दे को उठाने वाली याचिका पर गौर करते हुए उक्त निर्देश जारी किए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के 3 दिसंबर 2024 और इस साल 6 जनवरी के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने पिछले साल दिसंबर में अपने आदेश में अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के बावजूद भोपाल में यूनियन कार्बाइड साइट को खाली नहीं करने के लिए फटकार लगाई थी। अधिवक्ता सर्वम रीतम खरे के जरिये सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता पीथमपुर में 337 टन खतरनाक रासायनिक कचरे के निपटान के अधिकारियों के फैसले से चिंतित हैं। याचिकाकर्ता चिन्मय मिश्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत पेश हुए। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के साथ ही मध्य प्रदेश सरकार और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि निपटान वाली जगह से एक किलोमीटर के दायरे में कम से कम चार से पांच गांव मौजूद हैं। ऐसे में इस जहरीले कचरे के कारण इन गांवों के लोगों का जीवन और स्वास्थ्य अत्यधिक जोखिम में है। यह भी गौर करने वाली बात है कि जिस जगह पर कचरे का निपटान किया जाना है, उस फैक्ट्री से नदी नजदीक है। यह नदी यशवंत सागर बांध को पानी उपलब्ध कराती है। याचिका में बताया गया है कि यशवंत सागर बांध इंदौर की 40 फीसदी आबादी को पीने का पानी उपलब्ध कराता है। ऐसे में प्रतिवादियों की घोर लापरवाही और अस्पष्टता के कारण हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ सकता है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि प्राधिकारियों ने इंदौर और धार जिलों के प्रभावित निवासियों को खतरों के बारे में सूचित नहीं किया है, न ही स्वास्थ्य संबंधी एडवाइजरी जारी की है।

मप्र में गजब का घोटाला... कागजों पर की 5219 कुत्तों की नसबंदी, पेमेंट भी हो गया

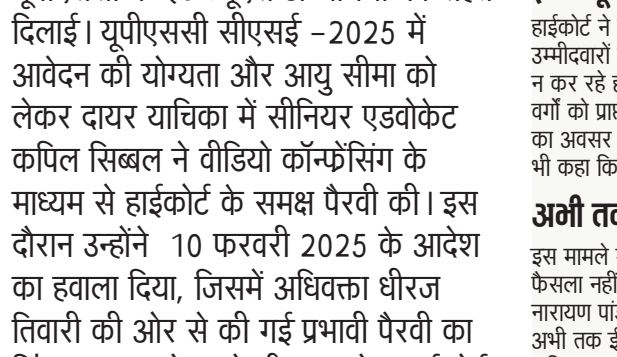

नीमच। नीमच नगर पालिका में चौंकाने वाला घोटाला सामने आया है, जिसमें कागजों में ही 5219 कुत्तों की नसबंदी दिखाकर संबंधित कंपनी को 32 लाख रुपए का भुगतान कर दिया गया। इस अनियमितता को देखते हुए अब नगरपालिका ने नसबंदी प्रक्रिया की निगरानी के लिए 15 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। साथ ही ऑपरेशन थिएटर में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। गौरतलब है कि 2022-23 में द केयर ऑफ एनिमल एंड सोसायटी, रीवा को कुत्तों की नसबंदी का ठेका दिया गया था। ठेकेदार ने 5219 कुत्तों की नसबंदी करने का दावा किया और इसके बदले 32 लाख रुपए ले लिए। हैरानी की बात यह है कि न तो इसकी वीडियोग्राफी कराई गई, न ही ऑपरेशन के प्रमाण के तौर पर उनके ऑर्गन्स सुरक्षित रखे गए। अब इस घोटाले की चर्चा हर तरफ हो रही है और अधिकारी केवल जांच की बात कहकर पल्ला झाड़ रहे हैं।

फिर से उसी कंपनी को ठेका
जब नीमच शहर में आवारा कुत्तों की संख्या में कोई कमी नहीं आई, तो नगरपालिका ने दोबारा टेंडर निकाला और फिर से उसी कंपनी को ठेका दे दिया, जिस पर पहले घोटाले के आरोप लगे थे। अब 2300 कुत्तों की नसबंदी के लिए 30 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इस बार प्रति कुत्ते 1297 रुपए की दर से भुगतान किया जाएगा, जबकि पिछली बार 696 रुपए प्रति नसबंदी का भुगतान हुआ था। एक सर्वे के अनुसार, शहर में अभी भी 5000 आवारा कुत्ते हैं। पूर्व में हुई नसबंदी पर उठे सवालों के कारण इस बार नगरपालिका ने निगरानी बढ़ा दी है।

15 सदस्यीय टीम का गठन
खैर घोटाले को रोकने के लिए कदम उठाए गए हैं। जिसमें 15 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। जिसमें डॉक्टर, समाजसेवी, अधिकारी और पार्षद शामिल हैं। कमेटी गठित होने के बाद टीम द्वारा ऑपरेशन थिएटर और कुत्तों को रखने की जगह पर 14 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कैमरों का लिंक सभी सदस्यों को दिया गया है, ताकि वे कभी भी निगरानी कर सकें। वहीं नर कुत्तों के प्राइवेट पार्ट और मादा के गर्भाशय को सुरक्षित रखने के आदेश दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि जीपीएस सिस्टम के जरिए यह ट्रैक किया जा रहा है कि कुत्तों को कहां से उठाया गया है।

अधिकारियों की सफाई
मामले को लेकर नगरपालिका नीमच के सीएमओ महेंद्र वशिष्ठ ने स्वीकार किया है कि पूर्व में गड़बड़ी हुई थी, लेकिन इस बार पारदर्शिता से काम किया जा रहा है। सीसीटीवी के जरिए निगरानी रखी जा रही है, और कलेक्टर जांच कर सकते हैं। वहीं नगरपालिका नीमच के एक पार्षद हरगोविंद दीवान ने कहा कि पूर्व की नसबंदी प्रक्रिया में घोटाला हुआ था और इसमें शामिल दोषियों पर कार्रवाई जरूरी है। अब देखना यह होगा कि इस बार नसबंदी प्रक्रिया कितनी पारदर्शी होती है, या फिर एक और घोटाला सामने आता है।

नई शराब नीति

मध्यप्रदेश में अब शुरू होंगे कम अल्कोहल वाले बार

अधिकतम 10 प्रतिशत अल्कोहल कंटेंट वाले पेय परोसे जाएंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार नई शराब नीति लेकर आई है। आगामी 1 अप्रैल से इसे लागू भी कर दिया जाएगा। इस नई नीति के तहत, मध्यप्रदेश की 19 जगहों पर शराब बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। इन 19 जगहों में 17 धार्मिक जगहें हैं। इसके अलावा सरकार कुछ जगहों पर 'कम अल्कोहल वाला बार'भी शुरू करेगी। इन बार में अधिकतम 10 प्रतिशत अल्कोहल कंटेंट वाले पेय परोसे जाएंगे। एक अधिकारी ने बताया कि नई नीति जारी कर दी गई है। इसके अनुसार, इन कम-अल्कोहल बार में बीयर, वाइन और रेडी-टू-ड्रिंक अल्कोहलिक पेय परोसे जाएंगे। केवल 10 प्रतिशत वी/वी (वॉल्यूम ऑन वॉल्यूम) तक अल्कोहल सामग्री वाले पेय ही नए बार में पीने की अनुमति होगी। सरकारी विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि ऐसे बार में स्पिरिट्स (तेज शराब) के सेवन पर पूरी तरह रोक रहेगी। वर्तमान में, मध्यप्रदेश में लगभग 460 से 470 शराब-सह-बीयर बार हैं और नए आउटलेट्स के जुड़ने के साथ, बार की संख्या में काफी वृद्धि होगी। गौरतलब है कि सरकार 19 जगहों, जिनमें 17 पवित्र शहर शामिल हैं, में 1 अप्रैल से लागू होने वाले शराब बिक्री प्रतिबंध के तहत 47 संयुक्त शराब की दुकानें बंद कर देगी। एक संयुक्त दुकान में भारतीय निर्मित विदेशी शराब और देशी शराब की एक-एक दुकान शामिल होती है। धार्मिक जगहों की बात करें तो इनमें उज्जैन, ओंकारेश्वर, मैहर, खजुराहो, महेश्वर, ओरछा, सांची, नलखेड़ा, सलकनपुर, जबलपुर, मंदसौर आदि जिलों का नाम शामिल है जिन्हें धार्मिक मानकर शराब बेचने पर रोक रहेगी।

मेयर्स की बैठक में बोले सीएम डॉ. मोहन यादव

नगरीय निकाय आत्मनिर्भर बनेंगे तो कल्याणकारी काम ज्यादा होंगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की मध्यप्रदेश इकाई की पहली बैठक इंदौर में आयोजित की गई। बैठक में 16 नगरीय निकायों के 13 मेयर शामिल हुए। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन यादव वर्चुअली तरीके से जुड़े। इस दौरान उन्होंने कहा कि इंदौर ने सफाई में सात बार सरताज बनकर पूरे देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इंदौर नगर निगम ने बॉन्ड के जरिए जलूद में सोलर प्लांट की योजना से आत्मनिर्भर बनने की मिसाल पेश की है। प्रदेश के दूसरे नगरीय निकाय यदि आत्मनिर्भर बनेंगे तो कल्याणकारी काम ज्यादा कर सकेंगे। सीएम यादव ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में नगरीय निकायों ने अच्छी भूमिका निभाई। बैठक में जो भी योग्य प्रस्ताव तैयार होंगे,

उसे सरकार लागू करने की कोशिश करेंगे। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मध्य प्रदेश में नगरीय निकायों को सबसे ज्यादा अधिकार है। निकायों के मेयर थोड़ा सा साहस दिखाए, पारदर्शिता से काम करे टैक्स लगाकर आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा कि हमें शिकायतें काफी मिली है। हम जांच नहीं कराते, यदि जांच करने लगे तो कई लोग कठघरे में आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि मेयर का कार्यकाल एक जंपिंग पीरियड की तरह होता है। यदि, पांच साल के काम अच्छे से काम किए तो जनता 25 साल तक याद करती है।

जो सहमति बनेगी उसे सरकार के सामने रखेंगे

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि मध्यप्रदेश के मेयर्स का यह पहला सम्मेलन है। बैठक में जनप्रतिनिधियों के अधिकार, आय के स्त्रोत बढ़ाने जैसे कई विषयों पर जो भी सहमति बनेगी, उसे हम सरकार के समक्ष रखेंगे। वहीं सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि शहरों के विकास में नगरीय निकायों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। निकायों के सामने चुनौतियां भी बढ़ रही है। तेजी से शहरीकरण हो रहा है। जनसंख्या का दबाव बढ़ने लगा है। उसके हिसाब से सुविधाएं जुटाना आसान नहीं होता है। ऐसे में जनप्रतिनिधि विजन के साथ काम करें।

मेयर के पास पावर की कमी

पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि ज्यादातर सरकारी योजनाओं को जमीन पर लाने की एजेंसी नगर निगम होते हैं। इसमें कठिनाइयां भी आती हैं। मेयरों के पास प्रशासनिक पावर की कमी है। जिस पर मंथन होना चाहिए। बैठक में विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा, गोलू शुक्ला भी मौजूद थे।

चलती एम्बुलेंस में हुई महिला की डिलीवरी, बेटे को दिया जन्म

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के सिमरोल क्षेत्र के पास रविवार देर रात एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। परिजन तुरंत हरकत में आए और 108 एम्बुलेंस को बुलाकर महिला को अस्पताल ले जाने का फैसला किया। एम्बुलेंस में सवार होते ही महिला की तकलीफ बढ़ने लगी, जिससे डॉक्टरों तक पहुंचने से पहले ही डिलीवरी की जरूरत आन पड़ी। एम्बुलेंस स्टाफ ने तुरंत 108 कॉल सेंटर पर स्थिति की सूचना दी और परिजन की सहमति लेने के बाद एम्बुलेंस में ही सुरक्षित डिलीवरी करवाई। महिला ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया और तुरंत बाद मां और बच्चे दोनों को सिमरोल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर पाई गई। घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात लगभग 3 बजे की है, जब ग्राम मेंडल में रहने वाली 19 वर्षीय संतोषी पति सिरन को तेज प्रसव पीड़ा हुई। परिवार ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को बुलाया, जो मौके पर पहुंचकर गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने लगी। लेकिन आधे रास्ते में उसकी पीड़ा असहनीय हो गई, जिससे तत्काल डिलीवरी करानी पड़ी। एम्बुलेंस में मौजूद

मेडिकल टेक्नीशियन सूरजमल दांगी और पायलेट सुनील पटेल ने स्थिति को समझते हुए तुरंत कॉल सेंटर से संपर्क किया और परिजन की अनुमति के बाद एम्बुलेंस को अस्थायी डिलीवरी रूम बना दिया। पेशेवर सूझ-बूझ के साथ महिला का सफल प्रसव कराया गया। इसके बाद मां और नवजात को अस्पताल ले जाकर प्राथमिक स्वास्थ्य जांच कराई गई, जहां दोनों को स्वस्थ घोषित किया गया। एम्बुलेंस स्टाफ की तत्परता और कुशलता से यह डिलीवरी सफल रही, जिससे परिवार ने राहत की सांस ली।

स्वच्छता अभियान में लाखों खर्च फिर भी पीथमपुर में फैली गंदगी

सिटी चीफ इंदौर।

धार। पीथमपुर सेक्टर नंबर 1 में नगर परिषद स्वच्छता भारत अभियान में जोरशोर से अपनी रैंक बढ़ाने में लगा हुआ है। इसमें लाखों रुपए जन जागरण और स्वच्छता पर खर्च किया जा रहा है। मगर दूसरी तरफ शहर में पसरी हुई गंदगी साफ बयां कर रही है की धरातल पर स्वच्छ भारत अभियान साकार होते नहीं दिख रहा है। छत्रछाया से लगे नाले के आसपास गंदगी प्रचुर मात्रा में फैली हुई है, जहां पर पशु विचरण करते हुए दिखाई नजर आते हैं। वहीं शहर के संजय जलाशय रोड पर जगह-जगह कचरा फैला हुआ है। मॉडर्न भारत में एक तरफ ई रिक्शा से कचरा कलेक्ट किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ पीथमपुर में आज भी हाथ ठेला कचरा गाड़ी से कचरा

इकट्ठा किया जा रहा है। न ही तो सफाई मित्रों के हाथों में कोई ग्लव्स होते हैं और न ही कोई और सुरक्षा के उपकरण। ऐसे में सफाईकर्मियों के स्वास्थ्य पर भी भारी संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में पीथमपुर स्वच्छता की रैंकिंग में आगे कैसे बढ़ पाएगा। राजनीतिक तालमेल के बिगड़ते यह हालत बने हुए हैं। दूसरी तरफ मैकेनिक नगर में ठेकेदार के द्वारा सड़कें खोदकर रख दी गई हैं, जिससे आवागमन में काफी परेशानियां रहवासियों को उठाना पड़ रही हैं। वहीं गंदे पानी की निकासी भी नहीं की गई जिससे सड़कों पर चारों तरफ गंदगी का माहौल बना हुआ है।

तोड़ा जा रहा 40 साल पुराना स्वीमिंग पूल

जमींदोज, अब नया बनाने की तैयारी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर का पहला सरकारी स्वीमिंग पूल को नगर निगम तोड़ रहा है। तोड़ फोड़ बीते दो माह से जारी है। बिल्डिंग के अलावा अब पूल वाले हिस्से को भी तोड़ा जा रहा है। पहले नगर निगम ने पुराने स्वीमिंग पूल की मरम्मत का फैसला लिया था, लेकिन अब नए सिरे से ही स्वीमिंग पूल का निर्माण किया जाएगा। यह काम मार्च माह में शुरू होगा। नए स्वीमिंग पूल में चार करोड़ रुपये की राशि लगेगी . इंदौर के नेहरू पार्क में चालीस साल पहले स्वीमिंग पूल बनाया था, लेकिन उसके कई हिस्से जीर्ण शीर्ण हो गए थे। पूल में भी रिसाव था, इस कारण पानी कम हो जाता था। नया पूल भी पुरानी जगह पर बनेगा, लेकिन उसकी लंबाई और चौड़ाई बढ़ाई जाएगी।

महापौर परिषद सदस्य नंदू पहाड़िया ने बताया कि नई बिल्डिंग में डायविंग टॉवर, चेजिंग रूम, शॉवर रुम सहित अन्य निर्माण होंगे। इसके अलावा टेबल टेनिस कोर्ट भी बनेगा। नई बिल्डिंग में रुमों के उपर हिस्से पर दर्शकों के बैठने के लिए कुर्सियां भी लगेगी, ताकि स्पर्धा के दौरान परेशानी न हो। पूल बनाने के लिए तैराकी खेल से जुड़े विशेषज्ञों की राय भी अफसरों ने ली है। इस स्वीमिंग पूल में अभ्यास कर कई तैराक तैयार हुए है, जो राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में सफल हुए है। आठ साल पहले भी स्वीमिंग पूल में मरम्मत के नाम पर ढाई करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। तब पूल की टाइल्स भी बदली गई थी, लेकिन पूल में रिसाव की समस्या बरकरार थी। महापौर परिषद सदस्य ने बताया कि पूल वाले हिस्से का निर्माण छह माह में पूरा कर देंगे, ताकि तैराकों को परेशानी न आए। बिल्डिंग निर्माण का काम अलग से चलता रहेगा।

युवती ने बीच सड़क पर युवक को पीटा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक युवती ने बीच सड़क पर युवक की पिटाई कर दी, जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि युवती कभी युवक की कॉलर पकड़कर खींच रही है तो कभी उसका गला दबा रही है। जब कुछ लोग बीच-बचाव करने आए तो युवती ने उन्हें भी हटा दिया। यह घटना सोमवार दोपहर मधुमिलन चौराहे की है। टीआई संजू कामले ने बताया कि पीड़िता और आरोपी मुकेश यादव पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुके हैं, लेकिन जब मुकेश ने युवती से शादी करने से इनकार कर दिया, तो उसने आजाद नगर थाने में उसके खिलाफ केस दर्ज करा दिया। इस

मामले में आरोपी को एक महीने तक जेल में रहना पड़ा था। सोमवार को जब मुकेश कोर्ट में पेशी पर आया, तो युवती ने उसे देखते ही गुस्से में आकर उसकी पिटाई कर दी। युवती का आरोप है कि युवक ने उसकी इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाई, जिसकी वजह से उसे लगातार अनजान कॉल्स आ रहे थे और वह काफी परेशान थी। सोमवार को कोर्ट में पेशी के लिए आए मुकेश को देखते ही युवती का गुस्सा भड़क गया। उसने चौराहे पर ही उसे पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। उसने आरोप लगाया कि मुकेश ने उसकी फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई, जिससे उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। जब युवती युवक को पीट रही थी, तब कुछ राहगीर उसे मनचला समझकर बीच-बचाव करने आए, लेकिन युवती ने बताया कि युवक पहले भी उसके साथ गलत कर चुका है। यह सुनकर लोग पीछे हट गए। आखिरकार, ट्रैफिक पुलिस और मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने युवती को युवक से अलग किया और दोनों को थाने ले जाया गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्पोर्ट्स टीचर पर छेड़छाड़ का आरोप हिन्दूवादी कार्यकर्ता पहुंचे थाने

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के जीडीसी कॉलेज कॉलेज में छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप प्रथम वर्ष की एक स्टूडेंट ने स्पोर्टस टीचर रामेंद्र सिंह परिवार पर लगाया है। इसके बाद उनसे पुलिस थाने में जाकर शिकायत की। पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रहे है। सोमवार सुबह हिन्दूवादी संगठन के कार्यकर्ता कॉलेज पहुंचे और टीचर को पकड़ कर थाने ले गए। वहं पर प्रदर्शन भी किया। आरोप है कि टीचर ने स्टूडेंट के साथ कॉलेज परिसरमें ही बदसलूकी की। जूनी इंदौर थाने पर छात्रा के साथ उनके कुछ साथी भी पहुंचे थे। उनका कहना है कि टीचर ने स्टूडेंट की तरफ आपत्तिजनक इशारे किए थे और कई बार प्रशिक्षण के दौरान बदसलूकी करता है। जिस छात्रा ने आरोप लगाया है वह कराते की खिलाड़ी है। पुलिस ने छात्रा के बयान लिए है। उधर संयोगितागंज थाने पर भी हिन्दूवादी संगठन की शिकायत पर दो महिला सहित चार लोगों के खिलाफ धर्मांतरण के मामले में केस दर्ज किया है। उनका कहना है कि क्षेत्र के एक बगीचे में पचास से ज्यादा बच्चों को एकत्र किया गया था। उनसे ईसाई महिलाएं प्रार्थना करवा रही थी। बच्चों के लिए महिलाएं कॉपी, पेंसिल व अन्य गिफ्ट भी लाई थी। बच्चों ने बताया कि उनकी स्कूल फीस व अन्य खर्च भी गार्डन में एकत्र करने वाले लोग उठाते है। मौके पर पहुंचे हिन्दूवादी संगठन के कार्यकर्ता हंगामा करने लगे और चार लोगों को वे थाने ले लाए। उधर आयोजन से जुडे लोगों का कहना है कि धर्मांतरण के आरोप गलत है। बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया गया था। जहां कई बच्चे अपने परिजनों के साथ पहुंचे थे। समाज की तरफ से इस तरह की गतिविधियां संचालित होती रहती है।

तिंछा फॉल पर पेड़ से लटका मिला छात्र

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक छात्र ने तिंछा फॉल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों ने शनिवार को पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मृतक की पहचान धार के मनावर निवासी सूरज पवार के रूप में हुई है। वह लॉ की पढ़ाई पूरी कर चुका था और इंदौर के भोलाराम उस्ताद मार्ग पर किराए के कमरे में रहता था। शनिवार को तिंछा फॉल के जंगल में उसका शव पेड़ से लटका मिला। उसकी बाइक पास में ही खड़ी थी। सूरज शुक्रवार शाम बिना किसी को बताए निकला था। इससे पहले वह अपने रूममेट के साथ घूम रहा था। परिवार ने बताया कि वह सेज यूनिवर्सिटी से लॉ की पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रैक्टिस कर रहा था।

सूरज के दोस्तों के अनुसार, वह घटना से पहले किसी लड़की से मोबाइल पर चैटिंग कर रहा था। उसकी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक लड़की के लिए संदेश था- शादी के लिए बधाई, तुम खुश रहो। इस स्टोरी को देखकर दोस्तों को संदेह हुआ कि वह मानसिक रूप से परेशान था। पुलिस को भी आत्महत्या के पीछे प्रेम प्रसंग की आशंका है और मामले की जांच जारी है। मृतक के चाचा ने बताया कि सूरज के पिता की मृत्यु कोरोना काल में हो चुकी थी। परिवार में छोटा भाई और मां खेती का काम संभालते हैं। सूरज करीब 6 साल से इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। पुलिस आत्महत्या के कारणों की गहराई से जांच कर रही है और मोबाइल डेटा खंगाल रही है।

बजरंग दल के मालवा प्रांत के 50 हजार कार्यकर्ता जुटेंगे इंदौर में

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। 29 मार्च को इंदौर में बजरंग दल के मालवा प्रांत के 50 हजार कार्यकर्ताओं का एकत्रीकरण आयोजित किया जाएगा। इस महाआयोजन से पूर्व, प्रदेशभर के सभी जिलों में बड़े स्तर पर प्रखंड त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम संपन्न किए जाएंगे। बजरंग दल के प्रांत संयोजक नितिन पाटीदार ने बताया कि इस आयोजन के तहत 'गांव-गांव संयोजक बनाओ' अभियान भी चलाया जाएगा, जिसके माध्यम से संगठन का विस्तार और मजबूती

सुनिश्चित की जाएगी। प्रांत के सभी जिलों से आने वाले कार्यकताओं को इंदौर के चारों दिशाओं में चयनित स्थानों पर एकत्रित किया जाएगा। प्रत्येक स्थान पर दो-दो विभागों के कार्यकर्ता संगठित होंगे और वे एक नियत मार्ग से पंक्तिबद्ध होकर चिमनबाग मैदान स्थित सभास्थल तक पहुंचेंगे। इस दौरान कार्यकताओं का अनुशासन और एकजुटता का प्रदर्शन किया जाएगा। इंदौर में होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में ग्राम संयोजक से लेकर राष्ट्रीय संयोजक तक सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर संतों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे और बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दोनेरिया रहेंगे। इन प्रमुख वक्ताओं के माध्यम से कार्यकताओं को राष्ट्रभक्ति, नागरिक कर्तव्यों और धर्म के प्रति समर्पण की प्रेरणा दी जाएगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना, राष्ट्रभक्ति एवं धर्मभक्ति को बढ़ावा देना, तथा बजरंग दल के ध्येय वाक्य ' सेवा, सुरक्षा और संस्कार' के प्रति जनचेतना लाना है। संगठन का संकल्प है कि युवा नशामुक्त, सशक्त और संस्कारित बनें, ताकि समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण किया जा सके। इसके अलावा, हिंदू युवाओं को बजरंग दल से जोड़ने के लिए विशेष महाअभियान भी चलाया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को संगठन के विचारों और उद्देश्यों से जोड़ा जा सके। इस महाआयोजन के जरिए हिंदू संस्कृति और राष्ट्रवाद के प्रति युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया जाएगा।

सीएम ने पांच दिवसीय भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को पांच दिवसीय 24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्टस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। बड़े तालाब में आयोजित हो रही प्रतियोगिता को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में आज पुलिस बल और अर्धसैनिक बल की छठी वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। इस प्रतियोगिता में 557 खिलाड़ी विभिन्न स्पर्धा में भाग लेंगे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं और बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल अपनी अतिथि-संस्कार परंपरा के लिए प्रसिद्ध है और आज इसका तालाब एक अलग अनुभव प्रदान कर रहा है। यह तालाब लगभग एक हजार साल पुराना है और आज यह जीवंत हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में खेल न केवल हमें स्वस्थ्य रखता है,

बल्कि यह हमारी लंबी आयु और अन्य गुणों को भी विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। इस आयोजन से वॉटर स्पोर्ट्स के प्रति लोगों का रुझान बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के कार्य के साथ-साथ खेलों में भी अपनी छाप छोड़ रही है। पुलिस बल के अनेक सदस्यों ने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को साबित करते हुए देश का नाम रोशन किया है।मुख्यमंत्री ने भोपाल आई विभिन्न राज्यों और पुलिस इकाइयों के टीम मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अखिल भारतीय प्रतियोगिता के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता में सहभागी टीमों को शपथ दिलाई गई। मुख्यमंत्री डॉ यादव को पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना द्वारा अखिल भारतीय आयोजन का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में पुलिस बैंड द्वारा लगातार देशभक्ति गीतों की धुनें प्रस्तुत की गईं।

132 महिला खिलाड़ी भी होगी शामिल

मध्य प्रदेश पुलिस की मेजबानी में 17 से 21 फरवरी तक भोपाल के वोट क्लब बड़ा तालाब पर प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता में 22 राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों और केन्द्रीय सशस्त्र बलों के 557 प्रतिभागियों द्वारा सहभागिता की जाएगी। इसमें 132 महिला खिलाड़ी भी शामिल होंगी। यहां की टीमें लेगी प्रतियोगिता में भाग प्रतियोगिता में मेजबान मध्यप्रदेश पुलिस के अलावा असम, मणिपुर, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल, सीआरपीएफ, एसएसबी, बीएसएफ, असम राईफल्स, आईटीबीपी, अंडमान एवं निकोबार एवं चण्डीगढ़ की 22 टीमों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

27 तरह की स्पर्धाएं होंगी

प्रतियोगिता में केनोइंग, क्याकिंग तथा रोइंग की कुल 27 स्पधाएं होंगी। इसमें कुल 360 पदकों (पुरुष वर्ग में 60 स्वर्ण, 60 रजत और 60 कांस्य पदक एवं महिला वर्ग में 60 स्वर्ण, 60 रजत और 60 कांस्य) के लिए विभिन्न राज्यों और अर्द्धसैनिक बलों की टीमें अपना जौहर दिखाएंगी। प्रतियोगिता के संरक्षक पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना और मुख्य आयोजन समिति के अध्यक्ष विशेष पुलिस महानिदेशक विजय कटारिया, डायरेक्टर स्पोर्ट्स रविकुमार गुप्ता, आयोजक सचिव कृष्णावेणी देसावतु पुलिस महानिरीक्षक विसबल एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में गठित अलग-अलग समितियां प्रतियोगिता को आयोजित कराएंगी।

मुरैना में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुरैना में पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य पहुंचे, उन्होंने 10 घड़ियालों को चंबल नदी में छोड़ा। सीएम ने कहा कि, वन्यजीवों के लिए मध्यप्रदेश की देश में एक अलग पहचान है। पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा बाघ हमारे देश में पाए जाते हैं और देश के अंदर मध्यप्रदेश में बाघों की संख्या सबसे अधिक है। इसके अलावा, अब हमारे यहां चीते भी आ गए हैं और घड़ियालों की संख्या भी सबसे ज्यादा है।

मध्यप्रदेश में 34 डिग्री पार पहुंचा पारा तीन दिन तक ऐसा ही रहेगा मौसम

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्यप्रदेश के मौसम में उतार-चढ़ाव लगातार देखने को मिल रहा है। जहां फरवरी माह में कड़ाके की ठंड देखी गई वहीं एक बार फिर से तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। मध्य प्रदेश के कुछ शहरों का अधिकतम तापमान 34 डिग्री से ऊपर तक दर्ज किया गया, वही रात में भी 17 डिग्री तक न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। तापमान में हुई बढ़ोतरी से स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया है। भोपाल में कई प्राइवेट स्कूलों की टाइमिंग अब सुबह 7.30 बजे कर दी गई है। पहले यह 9 बजे थी। अब इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर-उज्जैन समेत प्रदेशभर के स्कूलों में भी समय बदलेगा।

वर्तमान में कोई सिस्टम एक्टिव नहीं

मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में कोई भी सिस्टम एक्टिव नहीं है। इससे दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली है। रविवार को ज्यादातर शहरों में पारा 30 से 34 डिग्री तक रहा। मंडला में 34 डिग्री और सिवनी में 34.2 डिग्री दर्ज किया गया। जबलपुर, दमोह, खजुराहो, सागर, सतना, उमरिया, खंडवा, खरगोन, रतलाम, शिवपुरी में 32 डिग्री या इससे अधिक रहा, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में पारा 31 डिग्री के पार पहुंच गया। इससे दिन में गर्मी का एहसास देखने को मिला। मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि फरवरी में कई वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होते हैं। अबकी बार भी ऐसा ही है। इस वजह से पारे में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। फिलहाल बारिश होने के आसार नहीं है।

राजधानी में इन स्कूलों का बदला समय

भोपाल के कोलार स्थित सेंट जोसेफ को-एड स्कूल सोमवार से नए समय पर लगेगा। कक्षा पहली से आठवीं तक सुबह 7.30 से दोपहर 1.30 बजे तक और कक्षा नौवीं से 11वीं तक सुबह 7.30 से 11.30 बजे तक लगेंगे। पहले सभी कक्षाएं सुबह 9 बजे से शुरू हो रही थी। राजधानी के बाकी स्कूलों में भी टाइमिंग बदली जा रही है।

20 फरवरी तक ऐसा ही मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4 दिन यानी, 20 फरवरी तक दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार रैकवार ने बताया, 17 फरवरी से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिमी हिमालय की तरफ एक्टिव होने की संभावना है। इस वजह से 2-3 दिन बाद प्रदेश में भी दिन-रात के तापमान में फिर से गिरावट होने का अनुमान है। इससे पहले बढ़ोतरी ही देखने को मिलेगी।

उप नेता प्रतिपक्ष पर दर्ज हुए केस पर भड़के जय राम रमेश

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्यप्रदेश विधान सभा उप नेताप्रतिपक्ष हेमंत कटारे और उनके भाई, पत्नी, मां सहित दो अफसरों पर पर राजधानी भोपाल के आईएसबीटी पर स्थित पेट्रोल पंप जमीन आवंटन मामले में ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज किया है। हेमंत कटारे पर केस दर्ज होने पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने नारजगी व्यक्त किया है। और ने एक्स पर बीजेपी सरकार पर हमला बोला है।जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि अजब-गजब मध्य प्रदेश भाजपा सरकार, नर्सिंग घोटाले और परिवहन घोटाले का खुलासा करने वाले उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत सत्यदेव कटारे पर फर्जी मुकदमा दर्ज, लेकिन घोटाले में शामिल एक आरक्षक जिसकी 100 करोड़ से अधिक संपत्ति मिली, इस प्रकरण में भाजपा के मंत्री एवं किसी भी अफसर पर कोई एआईआर नहीं, कोई कार्रवाई नहीं। जयराम ने आगे लिखा कि पूरे मध्यप्रदेश के लोगों को इस अत्याचार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए! कांग्रेस का कार्यकर्ता झुकेगा नहीं, लड़ेगा! पूरा कांग्रेस परिवार इस अत्याचार के खिलाफ आपके साथ है। जयराम रमेश के ट्वीट पर उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने लिखा कि धन्यवाद जयराम जी, सत्य और न्याय की इस लड़ाई में साथ खड़े होने के लिए। इतिहास गवाह है कि अन्याय कितना भी प्रबल हो, अंतत- सत्य की ही जीत होती है। संघर्ष जारी रहेगा, और इसी तरह पूरी ताकत के साथ भाजपा के भ्रष्टाचार और अन्य काले कारनामों को उजागर करते रहेंगे। दरअसल परिवहन विभाग के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के मामले में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूर्व परिवहन मंत्री भूपेन्द्र सिंह पर सौरभ की नियुक्ति की सिफारिश करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने सीएम और ईओडब्ल्यू, लोकायुक्त और डीजीपी को पत्र लिखकर भोपाल के आईएसबीटी पर स्थित हेमंत कटारे के पेट्रोल पंप के जमीन आवंटन में गड़बड़ी सहित तमाम मामलों में जांच कर कार्रवाई करने की मांग की थी। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है।

प्रोटोकॉल अधिकारी बनकर सीएम के मंच तक पहुंचा युवक, हिरासत में लिया

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। उज्जैन में एक युवक मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान मंच के पास तक पहुंच गया। उसे सीएम प्रोटोकॉल का अधिकारी बनकर मंच तक पहुंचते देखा तो पुलिस को शक हुआ। जिसके बाद उसे तुरंत पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर युवक के पास से सीएम प्रोटोकॉल का आईडी कार्ड और एक वॉकी-टॉकी बरामद हुआ। पुलिस फिलहाल युवक से पूछताछ कर रही है। इस बात की जांच की जा रही है कि वह किस मकसद से कार्यक्रम में घुसा था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को उज्जैन में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। शाम को वे महाकाल मंदिर में रुद्रसागर पर बने सम्राट अशोक सेतु के लोकार्पण समारोह में पहुंचे थे। वहां बड़ी संख्या में लोग सीएम का संबोधन सुनने के लिए मौजूद थे। सुरक्षा में बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात था। इसी बीच, कोट पैंट पहने एक युवक को पुलिस अधिकारियों के बीच घूमते देख एडिशनल एसपी नितेश भार्गव को संदेह हुआ। युवक के गले में सीएम प्रोटोकॉल का आईडी कार्ड था और हाथ में वॉकी-टॉकी भी थी। जब पुलिस अधिकारियों ने उसे रोका और पूछताछ की, तो उसने खुद को सीएम सुरक्षा अधिकारी बताया। लेकिन जब पुलिस ने गहराई से जांच की, तो मामला संदिग्ध लगा। जिसके बाद उसे हिरासत में लेकर महाकाल थाने भेज दिया गया। जब पुलिस ने युवक की तलाशी ली, तो उसके पास से मध्यप्रदेश शासन, मुख्यमंत्री कार्यालय, वल्लभ भवन भोपाल का आईडी कार्ड बरामद हुआ, जिस पर नाम सिद्धार्थ जैन, पद प्रोटोकॉल ऑफिसर और आईडी नंबर 2908527 दर्ज था। इसके अलावा, उसके पास एक वॉकी-टॉकी भी मिला, जिस पर मध्यप्रदेश शासन का स्टिकर लगा हुआ था। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुलिस युवक को थाने ले जाती हुई दिख रही है। वीडियो में युवक खुद को सीएम सुरक्षा अधिकारी बताता हुआ भी सुनाई दे रहा है। अब तक पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि युवक किस उद्देश्य से कार्यक्रम में घुसा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह भी जांच कर रही है कि क्या वह किसी साजिश या बड़े नेटवर्क का हिस्सा तो नहीं है। इसके अलावा, पुलिस युवक की मानसिक स्थिति का भी आकलन कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आईडी और वॉकी-टॉकी उसे कहां से मिली। मामले में पुलिस जल्द ही और खुलासे कर सकती है।

मैनिट में छात्रों में विवाद के बाद हंगामा, बुलानी पड़ी पुलिस

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मौलाना आजाद नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) के कैंपस में रविवार रात करीब 11.30 बजे बड़ा हंगामा हो गया। फर्स्ट ईयर और सेकेंड ईयर के हॉस्टल के छात्रों के बीच विवाद बढ़ने पर मामला उग्र हो गया, जिसके चलते मैनेजमेंट को पुलिस बुलानी पड़ी। स्थिति संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया। पुलिस के अनुसार, यह विवाद गाड़ी से टक्कर के बाद शुरू हुआ, जिसमें कई छात्र घायल हो गए। वहीं, कुछ छात्रों ने पुलिस पर उनकी बात न सुनने और बदसलूकी करने के आरोप भी लगाए हैं। एडिशनल डीसीपी रश्मि अग्रवाल दुबे ने बताया कि देर रात छात्रों के बीच झगड़े की सूचना मिली थी। तुरंत ही कमला नगर थाने की पुलिस और अन्य बल को मौके पर भेजा गया, जिससे स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। फिलहाल इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। कमला नगर थाना प्रभारी निरूपा पांडे ने बताया कि रविवार देर रात सेकेंड ईयर के कुछ छात्र मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी उनकी बाइक एक फर्स्ट ईयर के छात्र से टकरा गई। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया, जो जल्द ही बढ़ गया। इसकी सूचना मिलते ही टअठकळ प्रबंधन ने पुलिस को बुलाया। हमारी टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया। जानकारी के मुताबिक, फर्स्ट ईयर और सेकेंड ईयर के छात्रों के बीच पहले से ही तनाव चल रहा था। घटना के बाद बड़ी संख्या में दोनों हॉस्टल के छात्र बिल्डिंग के बाहर इकट्ठा हो गए और बहस शुरू हो गई। स्थिति बिगड़ती देख मैनेजमेंट ने पुलिस को बुलाया। पुलिस के कैंपस पहुंचते ही सबसे पहले हॉस्टल्स की चेकिंग शुरू की गई और छात्रों को वापस हॉस्टल भेजने का प्रयास किया गया। जो छात्र नहीं मान रहे थे, उन्हें नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग कर हॉस्टल में भेजा गया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद स्थिति को पूरी तरह शांत किया गया। घटना के बाद कई छात्र संगठनों और अभिभावकों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि, उनके साथ अन्याय हुआ है और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, पुलिस का कहना है कि इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है। मैनिट के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर राहुल तिवारी ने बताया कि, रविवार को संस्थान में ई-समिट कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसके लिए पहले से ही पुलिस और दमकल विभाग को बुलाया गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र भी मौजूद थे। इसी बीच फर्स्ट ईयर और सेकेंड ईयर के छात्रों के बीच झगड़ा हो गया।

नर्सिंग स्टूडेंट्स की स्कॉलरशिप को लेकर एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश में नर्सिंग छात्रों की छात्रवृत्ति और परीक्षाओं में हो रही देरी के खिलाफ एनएसयूआई ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार के नेतृत्व में नर्सिंग छात्र-छात्राएं अपनी मांगों को लेकर राजभवन की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रेडक्रॉस अस्पताल के पास ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इसके बाद छात्रों ने वहीं बैठकर नारेबाजी की और जमकर प्रदर्शन किया। बाद में पुलिस प्रशासन ने एनएसयूआई नेताओं और छात्र प्रतिनिधियों को राजभवन ले जाकर ज्ञापन दिलवाया। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि नर्सिंग छात्रों को पिछले चार वर्षों से छात्रवृत्ति नहीं मिली है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान देने के बजाय इवेंट्स में करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। एनएसयूआई ने चिंता जताई कि बीएससी नर्सिंग 2019-20 सत्र के छात्रों की अंतिम वर्ष की परीक्षा अभी तक नहीं हुई है। बीएससी, एमएससी और पोस्ट बीएससी नर्सिंग 2020-21 और 2021-22 सत्र के छात्रों की सेकेंड ईयर परीक्षाएं लंबित हैं। प्रथम वर्ष के कई विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम अब तक घोषित नहीं हुए हैं। बिना संबद्धता के कॉलेजों में प्रवेश दिया जा रहा है, जिससे हजारों छात्रों का भविष्य खतरे में है। एनएसयूआई ने सरकार से मांग की है कि नर्सिंग छात्रों की लंबित छात्रवृत्ति तुरंत जारी की जाए।

ईओडब्ल्यू ने पूर्व आईएफएस ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ केस दर्ज किया

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसजीआरवाय) में अवैध नियुक्तियों और वित्तीय गबन के आरोपों में पूर्व आईएफएस अधिकारी और तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में प्राथमिकी दर्ज की गई है। ईओडब्ल्यू की तरफ से बताया गया कि भोपाल निवासी राजेश कुमार मिश्रा और माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीजेएम भोपाल के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। शिकायत कर्ता ने तत्कालीन अपर मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्य प्रदेश

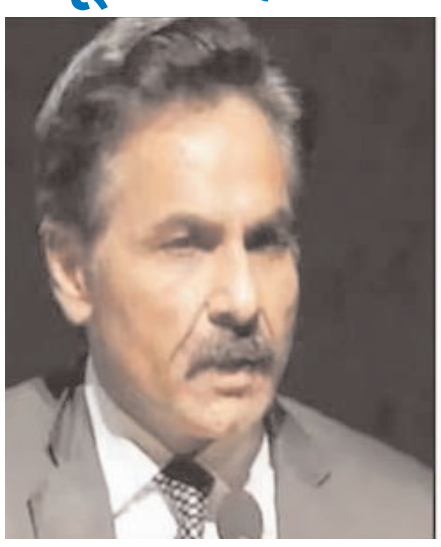

राज्य रोजगार गारंटी परिषद नेहा मारव्या की रिपोर्ट भी शिकायत के साथ प्रस्तुत की है। बता दें ललित मोहन बेलवाल पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के करीबी है। नेहा मारव्या ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के प्रमुख सचिव को 8 जून 2022 को जांच प्रतिवेदन भेजा था। इस प्रतिवेदन में उन्होंने यह पाया था कि ललित मोहन बेलवाल ने प्रतिनियुक्ति के समय वर्ष 2015 से 2023 के बीच अपने पद का दुरूपयोग करते हुए राज्य परियोजना प्रबंधक के पदों पर सलाहकारों की अवैध नियुक्तियां की गई। बेलवाल ने विभाग के सचिव के निदेर्शों को दर किनार करते हुए संबंध नस्तियों में छेड़छाड़ करते हुए तत्कालीन विभागीय मंत्री की आपत्तियों को भी नजरअंदाज करते हुए यह नियुक्तियां की। मारव्या की जांच रिपोर्ट के अनुसार नियुक्ति में जिस मानव संसाधन मार्गदर्शिका के नियमों के आधार पर स्वीकृत पदों के विरूद्ध बेलवाल ने नियुक्तियां की गई है, वह मानव संसाधन मार्गदर्शिका तब अस्तित्व में नहीं थी।

बिना अर्हता के नियुक्तियां दी

जांच रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा, उन्होंने जीवन यापन लागत सूचकांक की अनदेखी करते हुए नियुक्तियों के मानदेयों में 40त्न तक की अवैध वृद्धि की। यहीं नहीं आरोप है कि बेलवाल ने ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए बिना अर्हता के सुषमा रानी शुक्ला एवं उनके परिवार के सदस्यों देवेंद्र मिश्रा, अंजू शुक्ला, मुकेश गौतम, ओमकार शुक्ला एवं आकांक्षा पांडे की नियुक्तयां मिशन के विभिन्न पदों पर की गई।

बीमा पॉलिसी के नाम पर 1.73 करोड़ का गबन

मारव्या की रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि बेलवाल ने कम्युनिटी बेस्ड माइको बीमा योजना के तहत 81,647 महिलाओं से प्रति महिला 300 रुपये जमा कराए, लेकिन कोई बीमा पॉलिसी जारी नहीं की, जिसके परिणामस्वरूप 1.73 करोड़ रुपये का गबन हुआ। इस मामले में बेलवाल के अलावा अन्य आरोपियों के भी शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। ईओडब्ल्यू द्वारा इस मामले में प्रारंभिक जांच पंजीबद्ध की गई है और आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

सम्पादकीय

ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह नदारद

राज्य परिवहन निगम जो गरीबों को सुविधा मुहैया कराने के लिए सब्सिडी पर यात्रा सुविधा देते हैं, उनके पास बहुत कम बसें हैं। दिल्ली में किए गए बस रैपिड ट्रांजिट के प्रयोग को जबरदस्त नाकामी हाथ लगी। आज केवल 10 शहरों में बीआरटी है और सात अन्य शहरों में यह प्रस्तावित है। अब तक तो भारी पूंजी वाली, समय खपाऊ और यातायात बाधित करने वाली मेट्रो परियोजनाएं ही अधिकांश शहरी परिवहन नियोजकों की पसंद बनी हुई हैं। भारत में 17 शहरों में मेट्रो सेवा चल रही है लेकिन यह अपेक्षाकृत आकर्षक और आरामदेह परिवहन विकल्प भी सीमित दायरे में ही है।

देश में शहरी और ग्रामीण इलाकों के लोगों के खर्च में अंतर लगातार घट रहा है। 2023-24 में यह अंतर और कम हुआ है। हर तरह के परिवारों के औसत मासिक उपभोक्ता खर्च में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह जानकारी भारत सरकार द्वारा जारी किए गए ताजा उपभोक्ता खर्च सर्वेक्षण में सामने आई है। सर्वेक्षण के मुताबिक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में खर्च का अंतर जहां साल 2011-12 में 84 प्रतिशत था। वहीं, साल 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया और अब साल 2023-24 में यह और घटकर 70 प्रतिशत रह गया है। देश के 18 बड़े राज्यों में इस अंतर को देखा जा रहा है। जहां सबसे कम अंतर केरल में 18 प्रतिशत है तो सबसे ज्यादा अंतर झारखंड में 83 प्रतिशत दर्ज किया गया है। नवीनतम घरेलू खपत व्यय सर्वेक्षण के ताजा आंकड़ों में एक चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि खाद्य वस्तुओं के अलावा होने वाले औसत मासिक व्यय में सबसे अधिक हिस्सेदारी परिवहन की है। राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में एक परिवार का औसत मासिक प्रति व्यक्ति खपत व्यय (एमपीसीई) 7.6 फीसदी और शहरों में 8.5 फीसदी रहा। एक स्तर पर ये आंकड़े बढ़ते आवागमन और शहरों के विस्तार को बताते हैं जिसके कारण लोगों को कामकाज के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। हालांकि ईंधन पर बढ़ते खर्च की लागत निस्संदेह इस लागत में बड़ी हिस्सेदार है लेकिन अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन ढांचा भी परिवारों पर लागत का बोझ बढ़ाता है। इसका परिणाम यह है कि यात्रियों को काम पर जाने के लिए महंगे निजी उपायों के भरोसे रहना होता है। जो लोग अधिक संपन्न हैं, वे अपनी कारों से आवागमन करते हैं जिससे शहरों में यातायात और प्रदूषण की समस्या पैदा होती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर और तेजी से विकसित होता आईटी का गढ़ बेंगलूरु इस बात के उदाहरण हैं कि कैसे कमजोर शहरी परिवहन नियोजन समस्याएं पैदा कर सकता है। ग्रामीण इलाकों में समस्या अधिक है क्योंकि वहां सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह नदारद है। ऐसे कई इलाकों में ट्रैक्टरों का 50 फीसदी इस्तेमाल निजी आवागमन के काम में किया जाता है।

देश में सहज, किफायती और सुरक्षित परिवहन में निवेश बहुत जरूरी होता जा रहा है। अगर ऐसा होगा तभी कंपनियां न केवल कर्मचारियों को आकर्षित कर पाएंगी बल्कि इससे भी अहम कामकाज में महिलाओं की भागीदारी में इजाफा होगा। उदाहरण के लिए मुंबई और कोलकाता जैसे पुराने शहरों में व्यापक ट्रेन नेटवर्क है जिसके कारण फैक्टरी और घरेलू कर्मचारी दूरदराज से काम पर आ पाते हैं। कोलकाता के उलट मुंबई में लोकल ट्रेनों में उच्च अधिकारी भी उतने ही नजर आते हैं जितने कि फैक्टरी कर्मचारी। आंशिक रूप से आरंभ दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) पहले ही बेहतर संपर्क के लाभ दर्शा रहा है। इसके बावजूद केवल आठ आरआरटीएस कॉरिडोर ही चिह्नित किए गए हैं। इनमें से अधिकांश एनसीआर के आसपास संपर्क मुहैया कराते हैं। बस संपर्क भी शहरी आवागमन पर बहुत अधिक असर डाल सकता है लेकिन इस पर समुचित ध्यान नहीं दिया गया और देश में निजी-सार्वजनिक मिलाकर 21 लाख बसें हैं जो 14 करोड़ से अधिक लोगों को सेवा देती हैं। हालांकि इस संख्या का एक तिहाई पैदल सफर करना पसंद करता है। राज्य परिवहन निगम जो गरीबों को सुविधा मुहैया कराने के लिए सब्सिडी पर यात्रा सुविधा देते हैं, उनके पास बहुत कम बसें हैं। दिल्ली में किए गए बस रैपिड ट्रांजिट के प्रयोग को जबरदस्त नाकामी हाथ लगी।

भगदड़ से बचने के लिए भीड़ की ताकत समझना जरूरी

भीड़ की मनोदशा या 'मॉब मेंटालिटी' की बात अकसर की जाती है। भीड़ में लोग अपना असली चरित्र भूलकर भीड़ जैसा ही व्यवहार करने लगते हैं। इससे भीड़ का दबाव बनता है, जिससे कई लोग गिर जाते हैं तथा दब और कुचल कर अपनी जान गंवा बैठते हैं। गौरतलब है कि प्रति वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 3 से 4 लोगों का घनत्व होने पर उन्हें अपने हाथ-पैर चलाने अथवा सांस लेने में कोई परेशानी नहीं होती है, पर प्रति वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अगर 5-6 या उससे अधिक लोग खड़े हो जाएं, तो इससे एक दबाव उत्पन्न होता है, जिसे भीड़-कंप या क्राउड [क का नाम दिया जाता है।

भारत में कुछ ही दिनों के अंतर पर भगदड़ की दो घटनाओं ने सोचने पर विवश कर दिया है। प्रयागराज में भगदड़ की घटना और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से सबक लेना चाहिए। अब अपने विशाल आबादी वाले देश में आपदा प्रबंधन की तरह भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था और संहिता जरूरी हो गई है। भीड़ प्रबंधन की कमियों को दूर करने के साथ ही, लोगों को जागरूक करना चाहिए।

विदेश में भी भगदड़ से लोगों की जान जाती रही है। पिछला हादसा दक्षिण कोरिया की राजधानी सिओल का है, जहां 29 अक्टूबर 2022 को हैलोविन त्योहार के मौके पर 149 लोगों की जान चली गई, जिनमें अधिकतर किशोर और 20-30 वर्ष आयु के युवा शामिल थे। सन 2015 में मक्का के मीना भगदड़ में 2,400 लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। अनियंत्रित भीड़ के कारण भगदड़ होना स्वाभाविक है, पर वैज्ञानिक रूप से इसे कैसे समझा जा सकता है? आइए, इस पर विचार करते हैं।

भीड़ की मनोदशा या 'मॉब मेंटालिटी' की बात अकसर की जाती है। भीड़ में लोग अपना असली चरित्र भूलकर भीड़ जैसा ही व्यवहार करने लगते हैं। इससे भीड़ का दबाव बनता है, जिससे कई लोग गिर जाते हैं तथा दब और कुचल कर अपनी जान गंवा बैठते हैं। गौरतलब है कि प्रति वर्ग मीटर क्षेत्रफल में 3 से 4 लोगों का घनत्व होने पर उन्हें अपने हाथ-पैर चलाने अथवा सांस लेने में कोई परेशानी नहीं होती है, पर प्रति वर्ग मीटर क्षेत्रफल में अगर 5-6 या उससे अधिक लोग खड़े हो जाएं, तो इससे एक दबाव उत्पन्न होता है, जिसे भीड़-कंप या क्राउड क्रेक का नाम दिया जाता है। भीड़ के दबाव से, वैज्ञानिक रूप से एक तरंग की उत्पत्ति होती है, जिसे संघात तरंग या शॉक वेव का नाम दिया जाता है। असल में, भीड़ से एक हजार पौंड तक का दबाव उत्पन्न हो सकता है, जिसमें इस्पात की छड़ों को भी मोड़ने की क्षमता होती है।

भीड़ के दबाव यानी क्राउड क्रेक के कारण अनेक शारीरिक परेशानियां पैदा होती हैं। सांस लेने में तकलीफ के कारण दिमाग को पूरी मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है, जिससे व्यक्ति बेहोश होकर गिर सकता है। इसके अलावा उसके दिल को भी पूरा ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है, जिससे उसे दिल का दौरा पड़ सकता है। भीड़ में फैली घबराहट और भीड़ के कारण उत्पन्न अत्यधिक गरमी भी व्यक्ति को बेहोश कर सकती है, जिससे वह गिर सकता है। ऐसी स्थिति में लोगों के हाथ-पैर और सिर आपस में टकरा या उलझ सकते हैं, जिससे हालात की गंभीरता और बढ़ जाती है। घबराहट के चलते भीड़ का धकियाते हुए भागना स्थिति को और बिगाड़ देता है। इससे लोग भीड़ में दब जाते हैं या भीड़ द्वारा कुचल दिए जाते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है। भीड़ में फंस कर दम घुट जाने से बेहोश हो जाना या दिल का दौरा पड़ना तो आम बात है ही, इस भागमभाग में दब या कुचल कर मर जाने के अलावा हड्डियां आदि भी टूट सकती हैं।

दुर्भाग्यवश कहीं भीड़ में फंसने पर कुछ एहतियाती उपायों का ध्यान रखने से जीवन रक्षा हो सकती है। सावधान, भीड़ की ताकत का कभी विरोध नहीं करना चाहिए। मतलब भीड़ के बढ़ने की विपरीत दिशा में जाने का प्रयास कभी नहीं करना चाहिए, अन्यथा गिरना तय है, जिससे जान जोखिम में पड़ सकती है। भीड़ के साथ कुछ तिरछे चलते हुए किनारे पर पहुंचने का प्रयास करना चाहिए। याद रहे, भीड़ को सीधे धकिया कर निकल जाना संभव नहीं। भीड़ में गिरने से बचना चाहिए, नहीं तो उठकर खड़ा होना मुश्किल होगा। मोबाइल या कोई अन्य मूल्यवान वस्तु नीचे गिर जाने पर उसे उठाने के लिए झुकना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे जान को खतरा हो सकता है। दुर्भाग्यवश, भीड़ में गिर जाने पर बाईं करवट हो जाना चाहिए, जिससे दिल और फेफड़े सुरक्षित रहें; अथवा किसी भी करवट में, एक गेंदनुमा, मुड़ी हुई अवस्था में आ जाना चाहिए। सीने या पीठ के बल लेटने पर भीड़ द्वारा कुचले जाने की अधिक आशंका रहती है। गिर जाने पर हो सके, तो सिर को अपनी बाहों द्वारा सुरक्षित कर लेना चाहिए। इसे 'फीटस पोजीशन' कहते हैं, यानी वह स्थिति जिसमें एक गर्भस्थ शिशु सुरक्षित रहता है। हालांकि, सबसे बेहतर है कि हम ऐसी कोई नौबत ही न आने दें। समझ जाइए कि अत्यधिक भीड़ बहुत बड़ा खतरा है, जिसमें शामिल होने से बचाना होगा।

बात करें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे की तो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत के बाद सभी लोगों का पोस्टमार्टम कर शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। मृतकों में से पांच का पोस्टमार्टम राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दस का पोस्टमार्टम मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और तीन का लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में कराया गया है। आरएमएल अस्पताल में हुए पोस्टमार्टम के बाद दोपहर तक सभी परिजनों को मृतकों की डेड बॉडी सौंप दी गई। आरएमएल अस्पताल के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इन सभी पांच लोगों की मौत का कारण दम घुटना आया है। उन्होंने बताया कि जब भगदड़ मची होगी तो उस समय यह लोग भगदड़ की चपेट में आकर नीचे दब गए। फिर उनके ऊपर और लोग भी गिर गए और उससे इनका दम घुटन गया और मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई है। इसी तरह प्राप्त जानकारी के अनुसार, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में हुए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में भी मौत की यही वजह सामने आई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रेलवे द्वारा दो ट्रेन रद्द होने के बाद तीन और स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की गई और यह बताया गया कि स्पेशल ट्रेन इस प्लेटफार्म पर आएगी। इस घोषणा के साथ ही लोग ट्रेन पकड़ने के लिए उस प्लेटफार्म की ओर दौड़े, जिससे भगदड़ मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह भी बताया कि 13 और 14 नंबर प्लेटफार्म पर लोगों की ज्यादा भीड़ थी। किसी और प्लेटफार्म से ट्रेन चलाने के बारे में बताया गया तभी लोग उस प्लेटफार्म की ओर दौड़ पड़े।

बहरहाल, रेल मंत्रालय ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ के एक दिन बाद भविष्य में ऐसी किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए कई उपाय किए हैं। खास बात है कि केंद्र सरकार देश में 60 हाई-ट्रैफिक रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए स्थायी होल्डिंग जोन बनाएगी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार को भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। खास बात है कि रेलवे इन स्टेशनों पर भीड़ और क्राइसिस मैनेजमेंट के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करेगी। सरकार की तरफ से यह कदम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ के बाद लिया गया है। भगदड़ के बाद रेलवे ने घटना को लेकर उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, हादसे के बाद रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। सूत्रों के अनुसार स्थानीय अधिकारियों को परिस्थितिजन्य जागरूकता और क्राइसिस मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी जाएगी। दिशा-निर्देशन सहायता के लिए यात्रियों को निर्धारित होल्डिंग क्षेत्रों की ओर मार्गदर्शन करने के लिए तीर और डिवाइडर बनाए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक भीड़ की आवाजाही पर नजर रखने के लिए एआई समेत तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें खास तौर पर ट्रेन के देरी से चलने के दौरान इसका यूज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रयागराज से जुड़े 35 स्टेशनों की निगरानी सेंट्रल वॉर रूम के जरिये की जाएगी। भीड़ नियंत्रण उपायों के तहत पैदल यात्रियों के लिए बने पुलों और सीढ़ियों पर बैठे लोगों पर कैमरों से नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही अकेले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, महाकुंभ में आने वाले 90 प्रतिशत श्रद्धालु चार राज्यों के 300 किलोमीटर के दायरे से आते हैं। इसके कारण व्यस्त स्टेशनों पर विशेष निगरानी के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा रेलवे भीड़भाड़ से संबंधित समस्याओं की पहचान करने के लिए एक विशेष अभियान चलाएगा। इसके तहत यात्रियों, कुलियों और दुकानदारों से फीडबैक लिया जाएगा।

आस्था के संगम में फिल्मी सितारों की डुबकी

धर्म और आस्था का सबसे बड़ा समागम प्रयागराज का महाकुंभ अपनी पूरी भव्यता के साथ चल रहा है। अब तक करोड़ों श्रद्धालु और संतों के साथ देश और दुनिया के हर क्षेत्र की कई बड़ी हस्तियां इस आयोजन के पवित्र संगम में डुबकी लगा चुकी हैं। ऐसे में फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी हस्तियां भी पीछे नहीं रही। कलाकारों, संगीत से जुड़ी नामचीन हस्तियों और टेलीविजन के लोगों ने महाकुंभ में शिरकत की और गंगा, जमुना और सरस्वती की पवित्र त्रिवेणी के संगम में स्नान कर आध्यात्मिक संतुष्टि महसूस की। प्रयागराज महाकुंभ के इस महाआयोजन का आनंद लेने के लिए करोड़ों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ऐसे में कई फिल्मी हस्तियों ने भी महाकुंभ में शामिल होकर सनातन धर्म को करीब से जाना। ये हस्तियां बिना किसी लवाजमे के यहां पहुंचीं और पुण्य के भवसागर में आस्था की डुबकी लगाई। पवित्र संगम में जिस भी फिल्मी हस्ती ने डुबकी लगाई, उसने बिना किसी दिखावे के अपनी श्रद्धा दर्शाई। ज्यादातर फिल्मी लोग अपनी पहचान बताए बिना महाकुंभ में आए और गंगा नहाए। हेमा मालिनी और रवि किशन जैसे लोगों के आसपास जरूर सुरक्षा व्यवस्था नजर आई। जबकि, दक्षिण के कई बड़े सितारे ऐसे भी आए जो सामान्य व्यक्ति की तरह महाकुंभ में पहुंचे। इस इलाके के एक नामी खलनायक ने तो अपनी पहचान जाहिर करने पर नाखुशी तक जाहिर की। महाकुंभ में हस्तियों को लेकर कुछ अलग प्रसंग भी हुए, उनमें 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी, माला बेचने वाली मोनालिसा और आईआईटीयन संत भी हैं। ममता कुलकर्णी ने महाकुंभ 2025

के दौरान किन्नर अखाड़ा में शामिल होकर संन्यास ग्रहण किया। उनके इस फैसले को जमकर प्रचार मिला। लेकिन, संतों के विरोध के कारण बाद में उन्हें महामंडलेश्वर पद से हटा दिया गया।

हिंदी और भोजपुरी के मशहूर एक्टर और सांसद रवि किशन भी संगम में डुबकी लगाने महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे डुबकी लगाते और पूजा करते दिखे। वीडियो पोस्ट करते हुए रवि किशन ने अपनी भावना जाहिर की- तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में संगम में स्नान के पश्चात पूजा किया। देश की आस्था, संस्कृति की प्रतीक पवित्र गंगा और यमुना को निर्मल और अविरल करने का कार्य पूरा हो, इसकी प्रार्थना की! जाने-माने एक्टर अनुपम खेर ने भी महाकुंभ में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए पवित्र स्नान किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर स्नान की झलक शेयर की और इस आध्यात्मिक क्षण में प्रार्थना करते हुए मंत्रों का जाप किया। फिल्म कोरियोग्राफर एंड डायरेक्टर रेमो डिसूजा भी संगम में डुबकी लगाने पहुंचे, फैंस से अपना चेहरा छुपाकर स्नान किया व बाद में सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया।

अभिनेत्री नीना गुप्ता और संजय मिश्रा भी महाकुंभ में पहुंचे। दोनों ही कलाकारों ने मेले का भ्रमण किया और संगम में डुबकी के साथ गंगा को नमन किया। दोनों ही कलाकार अपनी अगली फिल्म वध-2 के प्रचार के लिए भी प्रयागराज पहुंचे। नीना गुप्ता ने कहा कि मां गंगा के पवित्र जल में स्नान का अवसर एक आध्यात्मिक यात्रा जैसा अहसास था। संजय मिश्रा की भावना थी कि आस्था का सागर देखना इतना सुखद है कि शब्दों में बयान करना मुश्किल है। फिल्म अभिनेता राजकुमार राव ने पत्नी पत्रलेखा के साथ पवित्र समागम का हिस्सा बनने के लिए ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त किया। वे महाकुंभ की हवाओं में बिखरे आध्यात्मिक भावों और लाखों-करोड़ों लोगों को कुंभ स्नान करते देखकर अभिभूत दिखे। फ्लिम मैंने प्यार किया से धूम मचाने वाली एक्ट्रेस भाग्यश्री अपने बच्चों अवंतिका और अभिमन्यु दासानी के साथ प्रयागराज पहुंचीं और सोशल मीडिया पर वहां की झलकियां शेयर कीं। प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी ने भी भक्तों से अपने पवित्र स्नान को आध्यात्मिक ज्ञान के साथ पूरक करने का आग्रह किया।

कलाकार मिलिंद सोमन भी पत्नी अंकिता कोंवर के साथ प्रयागराज आए। इस जोड़े ने मौनी अमावस्या के शाही स्नान वाले दिन संगम में डुबकी लगाई व भक्ति में डूबे दिखे। दोनों ने अपनी फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। फिल्मों की ड्रीम गर्ल और सांसद हेमा मालिनी भी मौनी अमावस्या के मौके पर महाकुंभ पहुंचीं। इस दौरान उनके संग बाबा रामदेव भी नजर आए। अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने भी महाकुंभ मेले में शिरकत की। उन्होंने संगम पर स्नान किया और सोशल मीडिया पर अपनी फोटो शेयर की। अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी भी महाकुंभ में स्नान के लिए पहुंची। अदाकारा ईशा गुप्ता भी संगम में डुबकी लगाते हुए नजर आई। फिल्म जन्नत में नजर आई एक्ट्रेस सोनल चौहान ने भी त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

अभिनेत्री पूनम पांडे भी महाकुंभ में दिखाई दीं। संगम में स्नान करते हुए कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा महाकुंभ जीवन को करीब से देखना, जहां 70 साल का बुजुर्ग घंटों नंगे पैर चलता है, जहां आस्था की कोई सीमा नहीं होती। यहां की भक्ति ने मुझे निःशब्द कर दिया। फिल्म इंडस्ट्री के कई स्टार्स अब तक महाकुंभ मेले में पहुंचकर संगम में स्नान कर चुके हैं। इनमें उपरोक्त के अलावा सिंगर गुरु रंधावा, केजीएफ एक्ट्रेस श्रीनिधि शेट्टी, फिल्ममेकर एकता कपूर समेत तमाम फिल्मी सितारे महाकुंभ में भाग ले चुके हैं। वहीं इससे पहले फेमस इंटरनेशनल रॉक बैंड कोल्ड प्ले के सिंगर क्रिस मार्टिन व एक्ट्रेस डकोटा जॉनसन ने भी महाकुंभ में स्नान किया था।

मॉडल हर्षा रिछारिया, माला बेचने वाली कत्थई आंखों वाली मोनालिसा, आईआईटीयन बाबा और पूर्व अभिनेत्री ममता कुलकर्णी इस महाकुंभ के कुछ ऐसे पात्र हैं, जो कई दिनों तक चर्चा में बने रहे। सबसे ज्यादा माहौल बना ममता कुलकर्णी का जो 90 के दशक की लोकप्रिय हीरोइन थी। अपने बोल्ड लुक और सुंदरता के लिए लोकप्रिय ममता करीब 19 साल पहले गायब हो गई थी। इनका नाम अंडरवर्ल्ड से लेकर ड्रग्स माफिया और कई गुंडों तक से जुड़ता रहा। अचानक ममता कुलकर्णी इस महाकुंभ में अवतरित हुई और किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बन गई। संगम तट पर पिंडदान किया और उन्हें नाम मिला यामाई ममता नंद गिरि। लेकिन, सप्ताहभर में ही उनकी सारी कीर्ति ध्वस्त हो गई जब साधु-संतों के विरोध के बाद उन्हें महामंडलेश्वर के पद से हटा दिया गया। ऐसी ही लोकप्रियता एक माला बेचने वाली लड़की मोनालिसा को उसकी कत्थई आंखों और सुंदरता के कारण मिली। महाकुंभ में वे इतनी चर्चित हो गईं कि उसे परिवार ने वापस अपने मध्यप्रदेश के गांव भेज दिया। लेकिन, उसकी सुंदरता ने फिल्म इंडस्ट्री को बेहद प्रभावित किया व एक फिल्म की हीरोइन बना दिया गया। फिलहाल वे मुंबई में एक्टिंग की ट्रेनिंग के साथ अपने मेकओवर में लगी हैं। इन दोनों के अलावा मॉडल हर्षा रिछारिया और आईआईटीयन बाबा भी कुछ दिन खबरों में छाए रहे, समय के साथ ये सभी हाशिए पर चले गए। पर, आस्था व धार्मिक चेतना जगाने वाला महाकुंभ मेला जारी है।

सारनाथ एक्सप्रेस का अचानक बदला रूट

यात्रियों में मचा हड़कंप

सुनील यादव ।सिटी चीफ
कटनी, दुर्ग से चलकर कटनी जंक्शन होते हुए प्रयागराज के रास्ते बनारस होते हुए छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस के यात्री उस समय हैरान रह गए जब सारनाथ एक्सप्रेस कटनी मुख्य रेलवे स्टेशन जाने की बजाय मुड़वारा रेलवे स्टेशन पहुंच गई। जिन्होंने तड़के आए मोबाइल पर मैसेज को चेक किया वह तो कुछ समझ भी पाए लेकिन जिन्होंने मैसेज नहीं चेक किया वे बेहद आश्चर्य में थे। उससे भी अधिक यात्री तब परेशान हो गए जब उन्हें पता चला कि सारनाथ एक्सप्रेस अब प्रयागराज की ओर नहीं जाएगी। ट्रेन में प्रयागराज जाने के लिए छत्तीसगढ़ से आए हजारों श्रद्धालु भड़क गए और उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया और ट्रेन की चैन खींच ट्रेन को आगे नहीं बढ़ाने दिया। यह हंगामा करीबन आधा घंटे तक चला और रेल प्रशासन ने ट्रेन के डिसेबल कल ट्रेन को डायवर्ड रूट पर रवाना कर दिया वही ट्रेन से उतारे हजारों यात्री को कटनी जंक्शन के लिए रवाना कर दिया गया है जहां

पर यात्री बेहद ही परेशान दिखे। यह हंगामा करीबन आधा घंटे तक चला और रेल प्रशासन ने ट्रेन के डिसेबल कल ट्रेन को डायवर्ड रूट पर रवाना कर दिया वही ट्रेन से उतारे हजारों यात्री को कटनी जंक्शन के लिए रवाना कर दिया गया है जहां पर यात्री बेहद ही परेशान दिखे। मुरवारा रेलवे स्टेशन पर अफरा तफरी का माहौल बना था और लोग नारेबाजी कर रहे थे इसी बीच ट्रेन को ग्रीन सिग्नल दे दिया गया, लेकिन यात्रियों ने जंजीर खींचते हुए ट्रेन रोक दी। बताया जाता है कि प्रयागराज में भीड़ की वजह से सारनाथ एक्सप्रेस का मार्ग बदल दिया गया, जिससे यात्री खासे परेशान हुए। मैसेज आने के बाद सारनाथ एक्सप्रेस से प्रयागराज की यात्रा करने वाले यात्री परेशान हो गए उन्हें कुछ समझ में नहीं आया कि क्या करें। सुबह 8 बजे मुड़वारा स्टेशन में जैसे ही सारनाथ एक्सप्रेस पहुंची वैसे ही यात्रियों को कई तरह की परेशानियों के सामना करना पड़ा। बताया जाता है कि अचानक सारनाथ एक्सप्रेस का रूट परिवर्तित किए जाने के कारण प्रयागराज जाने के लिए बैठे छत्तीसगढ़ के हजारों श्रद्धालु बौखला गए और वे मुड़वारा में ही उतरकर किसी अन्य ट्रेन से प्रयागराज जाने के लिए विवश हो गए। सारनाथ एक्सप्रेस का अचानक रूट परिवर्तित क्यों किया गया फिलहाल इस संबंध में रेल प्रबंधन ने कोई अधिकृत जानकारी प्रदान नहीं की है। लेकिन आज इस घटनाक्रम ने हजारों लोगों के लिए परेशानी अवश्य बढ़ा दी।

महाकुंभ जा रही ट्रैवल्स की ट्रक से भिड़ंत

एक महिला की मौत, 12 घायल

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले के माधवनगर थाना क्षेत्र पीरबाबा नेशनल हाइवे पर कर्नाटक से प्रयागराज महाकुंभ जा रहा एक सवारी ट्रैवल्स भूसे से बारे एक ट्रक से जा भीड़, इससे में ट्रैवल्स में सवार 12 लोगों में से एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। वही घायल सभी लोगों को एबुलेश से जिला अस्पताल भिजवाया है जिनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है।
कटनी जिले के माधवनगर थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत और ट्रैफिक थाना प्रभारी राहुल पांडे ने बताया कि पीरबाबा के पहले नेशनल हाइवे पर अग्रवाल होटल के पास कर्नाटक से आ रही एक ट्रैवल्स जो प्रयागराज महाकुंभ जा रही तभी गलत साइड से एक भूसे से भरा ट्रक ट्रैवल्स के सामने आ गया जिसके चलते दिनों

ने जोरदार भिड़ंत हो गई इस हादसे में ट्रैवल्स में बैठे 12 लोग घायल हो गए जिन्हें एबुलेश से जिला अस्पताल भिजवाया जा कहा इलाज के दौरान ट्रैवल्स सवार एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। मौके पर पहुंची माधवनगर की पुलिस और ट्रेफिक पुलिस इस हसदे के बाद लगे लम्बे जाम को खुलवाया और जेसीबी की सहायता से दोनों वाहनों को नेशनल हाइवे सड़क से हटवाया।

बांदकपुर जागेश्वरनाथ मंदिर में भीड़ अधिक होने पर गर्भगृह में ना जायें

गर्भगृह के बाहर से ही जल अर्पण किया जाये – श्रृद्धालुओं से किया आग्रह

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, बांदकपुर जागेश्वरनाथ में शिवरात्रि को लेकर मंदिर कमेटी और जिला अधिकारियों ने बेहतर व्यवस्था के संबंध में आज दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी मंदिर समिति के सदस्यगण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे। सांसद राहुल सिंह ने बैठक में कहा इस बार प्रयागराज से भी श्रृद्धालुजन स्नान करके यहां जल चढ़ाने आएंगे, इसलिए श्रृद्धालुओं की संख्या बहुत ज्यादा होगी, उसको लेकर व्यवस्थाएं चॉक चौबंद रहे, पानी, बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये, किसी प्रकार का कोई नुकसान ना हो, इन सभी बातों को लेकर आज बैठक में चर्चा की गई है। 26 फरवरी को शिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुओं की संख्या भी बहुत रहेगी उसको देखते हुए सारी व्यवस्थाएं प्रॉपर करने की तैयारी यहां पर की जा रही है। उन्होंने कहा यह तय किया है कि जिस प्रकार उज्जैन में महाकाल बाबा के जब दर्शन करने जाते हैं, शिवरात्रि और बसंत पंचमी के पर्व पर भीड़ ज्यादा हो जाती है जिससे गर्भगृह में जाने की अनुमति नहीं होती है, इस बार यह प्रयास किया जा रहा है कि बाहर स्टील का पाइप लगाकर, पाइप के माध्यम से जल चढ़ाएंगे। उन्होंने सभी श्रद्धालुजनों से आग्रह किया है भीड़ अधिक होने पर गर्भगृह में ना जाएं गर्भगृह के बाहर से ही जल अर्पण किया जाये, यह व्यवस्था एक दिन के लिए लागू की जा रही है, इसमें अधिकारियों, मंदिर समिति सभी ने तय किया है, एक दिन के लिए यह व्यवस्था लागू करेंगे। उन्होंने कहा सभी इसमें सहयोग करें, सभी महादेव के भक्त हैं, सभी महादेव

को मानते हैं, जो बेहतर हो सके उसको लेकर यह निर्णय किया है, सभी से अपेक्षा है कि इस निर्णय के साथ चलेंगे और बाहर से ही सभी जल अर्पण करेंगे। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व बांदकपुर में मनाया जाएगा। देश भर के लाखों श्रृद्धालु यहां पर आते हैं। अभी कुंभ मेला भी चल रहा है, प्रयागराज कुंभ मेले से लौटने वाले श्रृद्धालुओं की बड़ी संख्या में बांदकपुर आने की संभावना है, इस दृष्टि से व्यवस्थाएं पहले से भी ज्यादा बेहतर होगी। इसी उद्देश्य से आज बैठक आयोजित की गई है, सांसद का भी बैठक में मार्गदर्शन सभी को मिला। मंदिर समिति के सदस्य, पुलिस अधीक्षक, सभी जिलाधिकारी इस बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, कई सुझाव आए इन सभी के आधार पर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा मंदिर परिसर का भ्रमण करके भी देखा गया है, व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और आगे आने वाले दिनों में उनका पालन जमीनी स्तर पर हो जाए यह सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा यदि हम दिव्यांगों को व्यवस्थित रूप से दर्शन करने देना चाहते हैं, तो उनके साथ केवल एक व्यक्ति अटेंडर रहे, यदि उनके साथ ज्यादा लोग रहते हैं तो समिति को भी अनुशासन बनाकर रखना पड़ता है, व्यवस्थाओं में दिक्कतें पैदा होती हैं और फिर बाकी सभी लोग भी उस रूल का इस्तेमाल करना चाहते हैं, जिसका दिव्यांग कर रहे हैं। इस दृष्टि से इस पर पूरा विचार करके निर्णय लिया जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने कहा बांदकपुर मंदिर परिसर में सांसद जी के मार्गदर्शन में बैठक आयोजित हुई है। पिछले जितने भी बार बांदकपुर में व्यवस्थाएं की गई हैं, उनमें कौन-कौन सी कमी रही है, कहां किस प्रकार की सुविधाओं की जरूरत है, उनको ध्यान में रखते हुए तमाम तरह की सुझावों पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा मंदिर प्रांगण में लोगों के आने-जाने और दर्शन को सुलभ बनाने के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण चर्चा हुई है। इस बार यहां पर फोर्स बढ़ाई जायेगी, सामान्य तौर पर यहां पर 250 से 300 का फोर्स लगता है इस बार 400 के आसपास फोर्स लगाएंगे। उन्होंने कहा सशस्त्र बल की व्यवस्था भी की जाएगी, अलग से कंट्रोल रूम, अलग से रेडियो सेट लगाए जाएंगे, सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, ओवरऑल वृहद स्तर पर यह व्यवस्था लगाई जाएगी, दर्शनार्थियों को दर्शन अच्छे से करवाया जा सके इसके लिए प्रशासन को जो भी प्रयास करना होगा वह किया जाएगा।

दमोह में जिला न्यायालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन

227 व्यक्तियों का हुआ नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

दमोह, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद कुमार तिवारी के कुशल मार्गदर्शन एवं उनकी अध्यक्षता में ए.डी.आर. भवन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर दमोह में न्यायिक अधिकारीगण, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारीगण के स्वास्थ्य की जांच एवं परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय दमोह के समन्वय से प्रात: 11 बजे से नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं दोपहर 02 बजे से टी.बी. उन्मूलन के लिए जन भागीदारी अभियान अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
उक्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह, उदय सिंह मरावी, विशेष न्यायाधीश दमोह, मोहम्मद अजहर, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय दमोह एवं जिला न्यायालय दमोह में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ कमलेश भारद्वाज, उपाध्यक्ष सुरेश खत्री, अधिवक्तागण, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, जिला अस्पताल दमोह से डॉ. गौरव जैन, नोडल अधिकारी, टी.बी. उन्मूलन, डॉ. विक्रान्त सिंह चौहान, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्यांशु अवस्थी, महिला चिकित्सक डॉ. सोनम कुकरेजा, डॉ. मनीष संगतानी, आर.बी.एस.के. डॉ. चंद्रप्रकाश वर्मा एवं डॉ. आरती पटैल एवं एक्स-रे, ब्लड सेम्पिलिंग, ई.सी.जी. हेतु तकनीकी स्टॉफ एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारीगण सहित कुल 227 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उचित सलाह एवं दवा वितरित की गई।
इसी क्रम में दोपहर 02 बजे टी.बी. मुक्त भारत अभियान अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन, जिला न्यायालय परिसर दमोह में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद कुमार तिवारी की अध्यक्षता में किया गया। उक्त कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश उदय सिंह मरावी, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय मोहम्मद अजहर, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ कमलेश भारद्वाज, डॉ. गौरव जैन, नोडल अधिकारी, टी.बी. उन्मूलन सहित समस्त न्यायाधीशगण व अधिवक्तागण उपस्थित रहे।
नोडल अधिकारी डॉ. गौरव जैन द्वारा टी.बी. मुक्त भारत अभियान अंतर्गत नि-क्षय मित्र बनाये जाने हेतु अपनाये जाने वाली प्रक्रिया व ऐसे टी.बी. रोगियों को मासिक पोषण किट दिये जाने के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इसमें कोई भी नागरिक ऐसे टी.बी. रोगियों को मासिक पोषण आहार छः माह तक प्रदान किये जाने हेतु स्वेच्छा से जुड़कर ऐसे टी.बी. रोगियों की मदद कर सकता है, ऐसे व्यक्तियों को नि-क्षय मित्र के नाम से जानते है, उन्होने नि-क्षय मित्र बनकर ऐसे टी.बी. रोगियों के जीवन में बदलाव लाने हेतु आगे आने की बात कही।
अध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ दमोह कमलेश भारद्वाज द्वारा उपस्थित जनों से टी.बी. रोगियों की मदद हेतु अधिक से अधिक अधिवक्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित कराये जाने की बात कही। वरिष्ठ अधिवक्ता भगवती प्रसाद श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में सभी से इस पुनीत कार्य में सहभागिता किये जाने पर बल दिया।प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद कुमार तिवारी दमोह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि टी.बी. रोगियों की मदद हेतु चलाये जा रहे इस अभियान का उद्देश्य टी.बी. रोगियों को सामुदायिक सहायता प्रदान करना है, जिससे ऐसे पीड़ितों को उचित पोषण मिल सके, इसलिए हम सभी न्यायाधीशगण ने टी.बी. रोगियों को फुड बास्केट प्रदान करने हेतु आगे आकर तत्परता के साथ आज ही इस संबंध में आवश्यक औपचारिकतायें पूर्ण कर सहयोग प्रदान करने का निर्णय लिया है, आप सभी भी इस अभियान से जुड़कर सामाजिक दायित्व का निर्वहन करें। जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया द्वारा कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार प्रदर्शन किया गया।

समाज में सबको यह संदेश जाये की सबको ईंधन की बचत करनी है- प्रधान जिला न्यायाधीश

साईकिल, मोटर साईकिल से पहुंचे न्यायालय न्यायाधीशगण

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ
दमोह, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनंद कुमार तिवारी द्वारा सप्ताह में दो दिवस साईकिल, दो पहिया वाहनों से कार्यालय आने के संबंध में लिये गये निर्णय अनुसार आज प्रधान जिला न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी सहित अन्य न्यायाधीशगण साईकिल एवं दो पहिया वाहनों से न्यायालय पहुंचे।इस संबंध में प्रधान जिला न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी ने कहा न्यायाधीशगणों ने मिलकर यह प्रयास किया है कि समाज में यह संदेश जाए की हम सबको ईंधन की बचत करनी है और आने वाली गर्मी के दिनों में इस तरह के प्रयास होंगे तो पर्यावरण को उसका लाभ मिलेगा।
उन्होंने नागरिकों से आग्रह करते हुए कहा ऊर्जा की बचत की जाए, चाहे इलेक्ट्रिसिटी हो, अनावश्यक बिजली का उपयोग नहीं होना चाहिए, ए.सी. कूलर, पंखों का उपयोग कम से कम करने का प्रयास करना चाहिए, पेट्रोल-डीजल में भी यथा संभव बचत करनी चाहिए। उन्होंने कहा जिला विधायक सेवा प्राधिकरण दमोह के अनुरोध पर हम सभी न्यायाधीशगणों ने यह पहल सामूहिक रूप से स्वेच्छा और स्वतंत्रता से की है।

कहां खो गए डॉक्टर आर के वर्मा जिला स्वास्थ्य अधिकारी ?

अनूपपुर में झोला छाप डॉक्टरों के ऊपर आखिर कब होगी कार्रवाई

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, जिले में इन दिनों गली-गली गांव-गांव शहर शहर में झोला छाप डॉक्टर क्लीनिक डाले बैठे हैं जिनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है जिले के अधिकारी ऐसा लगता है उनकी आंखों में पट्टी बंधी हुई है और हाल ही में एक व्यक्ति की जान जा चुकी है झोलाछाप डॉक्टर जो अपने आप को बहुत बड़ा डॉक्टर बताते हैं और गरीबों का खून चूसते हैं अनाप-शनाप पैसा लेते हैं 200 से ?300 उनकी फीस होती है ऐसे में कोई व्यक्ति को अगर कुछ हो जाता है तो शासन के आला अधिकारी को अगर हम जानकारी देते हैं तो वह बोलते हैं की टीम गठित हो रही है हम जल्दी कार्रवाई करेंगे आज हम 2 महीने से बोलते जा रहे हैं पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जिसके कारण कोतमा के एक फॉरेस्ट गार्ड की मौत हो गई उसके बाद भी इन अधिकारियों को ध्यान नहीं आ रहा है ऐसा लगता है डॉ आर के वर्मा टीम 2 महीने से तैयार कर रहे हैं आखिर डॉक्टर आरके वर्मा क्यों नहीं टीम तैयार कर पा रहे हैं किन अधिकारियों के कारण वह टीम गठित नहीं कर पा रहे हैं ऐसे अधिकारियों के ऊपर जिला प्रशासन से अनुरोध है की जल्द से जल्द ऐसे झोला छाप डॉक्टरों के ऊपर और उन अधिकारियों के ऊपर

कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए अत: किसी गरीब की झोलाछाप डॉक्टर जान ले सकते हैं।

राशन दुकान तक गुणवत्तायुक्त राशन पहुंचे सभी की सामूहिक जिम्मेदारी- कलेक्टर

कलेक्टर ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति, मिलर्स तथा गोदाम संचालकों की ली बैठक

अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति विभाग, मिलर्स एवं गोदाम संचालकों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि राशन दुकान तक गुणवत्तायुक्त राशन का स्टॉक पहुंचे यह सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही एवं उदासीनता बरतने वालों पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के गोदाम में रखे राशन के गुणवत्ता का समय-समय पर निरीक्षण करने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए तथा गुणवत्ता का प्रतिवेदन भी प्राप्त किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण के उपरांत गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही बरती जाती है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती अनीता सोरते, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती सीमा सिन्हा सहित नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी एवं मिलर्स तथा गोदाम संचालक उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राशन वितरण प्रणाली को और अधिक सरल एवं सुगम बनाया जाए। उन्होंने सभी मिलर्स एवं गोदाम संचालकों को राशन स्टॉक की व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने गोदाम में रखे पुराने स्टॉक के संबंध में भी गोदाम संचालकों से जानकारी प्राप्त की। बैठक में कलेक्टर ने गोदाम संचालकों को निर्देशित किया कि अगर मिलर्स के यहां से गुणवत्ताविहीन राशन गोदाम पर भेजा जाता है तो त्वरित प्रशासन को इस बात की सूचना दी जाए जिससे मिलर्स को गुणवत्ताविहीन राशन वापस भेज कर उसे गुणवत्तायुक्त बनाने की कार्यवाही की जा सके। इस दौरान गोदाम संचालकों द्वारा पुराने बारदाने को जमा कर नए बारदाने अलॉट करने के संबंध में भी कलेक्टर को जानकारी दी गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राशन के गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी अधिकारी सामूहिक रूप से बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तायुक्त राशन शासकीय उचित मूल्य दुकान तक भिजवाना सुनिश्चित करें।

परीक्षा में गडबडी कराने वाले जाएंगे जेल,सम्पत्ति होगी कुर्क - जिलाधिकारी मनीष बंसल

उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 के तहत होगी कार्यवाही –डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आगामी बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर बताया कि उत्तर प्रदेश में नकल एवं पेपर लीक रोके जाने को लेकर सख्त निर्णय लिया गया है। इस उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2024 लाया गया है। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि इसके अंतर्गत छात्र प्रस्तावित कानून में कारावास या जुर्माने के दण्ड की परिधि में नहीं होंगे। उनका परीक्षा परिणाम रोककर उन्हें एक वर्ष के लिए अगली परीक्षा में हिस्सा लेने से रोक दिया जाएगा। नकल, पेपर लीक जैसे अपराधों के अलावा फर्जी वेबसाइट बनाना, फर्जी परीक्षा आयोजित करना, फर्जी प्रवेश पत्र जारी करना, फर्जी प्रश्नपत्र को वास्तविक प्रश्नपत्र के रूप में संबंधित परीक्षा से पूर्व प्रसारित करना भी अपराध होगा। परीक्षाओं से जुड़ी किसी भी तरह की गड़बड़ी में सम्मिलित होने वालों को कठोर सजा मिलेगी, जिसमें अधिकतम सजा आजीवन कारावास और एक करोड़ रूपये तक का जुर्माना भी है। यदि पेपर लीक व नकल सहित परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों में परीक्षा संस्थान या परीक्षा कराने वाली एजेंसी संलिप्त पाई जाती है तो उससे उस परीक्षा का पूरा खर्च वसूला जाएगा। साथ ही उसकी संपत्ति भी कुर्क और जब्त की जा सकती है।जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि सामूहिक नकल द्वारा प्रश्नपत्र को किसी भी भांति हल कराया जाता है या सहयोग प्रदान किया जाता है तो उक्त संस्थान को किसी भी सार्वजनिक परीक्षा को संचालित कराने से निवारित कर दिया जाएगा। सोल्वर गैंग, सेवा प्रदाता एवं उससे जुडे कर्मचारी या एजेंट या ऐसे सेवा प्रदाता की सहायक कम्पनी भी आएगी। साथ ही परीक्षा प्राधिकरण के अधिकारी और कर्मचारी भी आएंगे। अपराध संज्ञेय, गैर जमानतीय एवं सत्र विचारणीय होने के साथ-साथ अशमनीय भी होंगे। किसी अपराध के लिए अभियुक्त को जमानत पर तब तक नहीं छोडा जाएगा जब तक की लोक अभियोजक को ऐसे आवेदन का विरोध करने का अवसर न दे दिया गया हो। व्यक्ति, संस्था, प्रन्टिंग प्रेस, सेवा प्रदाता से परीक्षा आयोजित करने के लिए प्रबंधन या परीक्षा सामग्री रखने या परिवहन करने के लिए अनुबंध किया है या आदेश दिया है और वह इस अध्यादेश के तहत किसी अपराध का दोषी पाया जाता है तो उसे भविष्य में इस असाइनमेंट के लिए हमेशा के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

हाईवे पर दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में स्थापित की गई हाईवे चौकी

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर द्वारा किया गया उद्घाटन

अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान द्वारा पूर्व में स्थापित हाईवे चौकी फुनगा का उद्घाटन किया गया। चौकी में 02 सहायक उप निरीक्षक, 03 प्रधान आरक्षक, 05 आरक्षक सहित कुल 11 पुलिस अधिकारी कर्मचारी तैनात किए गए , जिनका कार्य हाईवे रोड पर रात्रि के समय सतत पेट्रोलिंग, शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर कार्यवाही एवं कोतमा शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में प्रयास करने के साथ सड़क दुर्घटना में मृत्यु को रोकने के हेतु घायलों को तत्काल मदद पहुंचने के उद्देश्य से हाईवे चौकी का संचालन प्रारंभ किया गया उद्घाटन कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री इसरार मंसूरी, एस डी ओ पी अनूपपुर श्री सुमित केरकेट्टा, एस डी ओ पी कोतमा आरती शाक्य, यातायात प्रभारी ज्योति दुबे , हाइवे चौकी प्रभारी विनोद दुबे, फुनगा चौकी प्रभारी श्री सोने सिंह परस्ते, पत्रकार बंधु एवं थाना यातायात तथा चौकी में तैनात पुलिस अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैंक शासकीय योजनाओं में ऋण देने में दिलचस्पी दिखाएं - जिलाधिकारी मनीष बंसल

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डीएलआरसी एवं डीसीसी की बैठक सम्पन्न

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने जनपद के कम सीडी रेशियो वाले बैंकों पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए सीडी रेशियों बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक को चेतावनी देने के बाद भी कार्यशैली में सुधार न लाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए पुन: उच्चाधिकारियों एवं शासन को डीओ लेटर लिखने की बात कही। उन्होंने निर्देशित किया कि बैंक शासकीय योजनाओं में ऋण देने में दिलचस्पी दिखाएं। उन्होने कहा कि सभी बैंक के प्रतिनिधि पूर्ण जानकारी के साथ बैठक में आएं। उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि सभी लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी बैंक सकारात्मकता से कार्य कर परिणाम देने वाले बनें। सीडी रेशियो को बढाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्ययोजना तैयार कर कार्य करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि बैंकों द्वारा दिये गये छोटे-छोटे ऋण से ही आमजन की आर्थिक समृद्धि आएगी जिससे हम अपने आर्थिक उन्नति के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ शासन की मंशा के अनुरूप लाभार्थियों को दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी बैंकों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से आमजन को जागरूक कर योजनाओं का लाभ बताते हुए आच्छादित किया जाए। उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों से योजनाओं के लिए दिये गये आवेदनों में स्वीकृति के उपरांत कम ऋण वितरण पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होने सख्त निर्देश दिए कि लोन संबंधी पत्रावलियों को अनावश्यक रूप से लम्बित न रखा जाए। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि प्रत्येक बैठक में दिए गये निर्देशों की अनुपालन आख्या आगामी बैठक में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्ट्रीट वैण्डरों को क्यूआर कोड उपलब्ध कराकर उन्हें डिजिटल लेनदेन के लिए प्रेरित किया जाए। जिला उद्यान अधिकारी के बैठक से अनुपस्थित रहने तथा विभाग से संबंधित सूचनाओं को समय से उपलब्ध न कराने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। एलडीएम प्रवीण जमुआर ने जिलाधिकारी को आश्वस्त किया कि आपके द्वारा दिए गये निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन सभी बैंकों द्वारा सुनिश्चित कराया जाएगा।

आरबीआई प्रतिनिधि जगजीत सिंह कालरा ने बताया कि जनपद में 24 से 28 फरवरी तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह के तहत सभी बैंकों द्वारा कैम्प आयोजित किए जाएंगे जिसकी मुख्य थीम महिला उत्थान रहेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, डीसी एनआरएलएम इन्द्रपाल सिंह, उपायुक्त उद्योग वी0के0कौशल सहित सभी बैंकों के प्रतिनिधि एवं सबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अमरकंटक में नर्मदा महोत्सव का भव्य आयोजन, पत्रकार सुशील सोनी सम्मानित

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

अनूपपुर, अनूपपुर जिले में स्थित अमरकंटक नर्मदा उद्गम स्थल पर जनसंपर्क अनूपपुर एवं कलेक्टर के द्वारा नर्मदा महोत्सव मनाया गया जिसमें पत्रकारों द्वारा नर्मदा महोत्सव का एक सार्थक एवं महोत्सव से लोगों को जोड़ने का प्रयास सिटी चीप दैनिक अखबार में विशेष रूप से प्रसारण किया गया जिससे महा उत्सव का सफल आयोजन हुआ इस आयोजन में मध्य प्रदेश के मंत्री एवं सासाकी ए अधिकारियों की एक अच्छी साझेदारी थी जिससे नर्मदा महोत्सव मैं लोगों का ? उत्साह है एवं अधिक से अधिक संख्या का पहुंचना नर्मदा पूजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में समा बांध दिया था उसे संबंध में दिनांक 17-2-2025 को कलेक्टर सभागार में अनूपपुर जिले के पत्रकार सुशील सोनी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इसमें जनसंपर्क कार्यालय अनूपपुर के समस्त अधिकारी की भूमिका रही.

नव हिंदू चेतना के वाहक योगी आदित्यनाथ

सुरेंद्र सिंघल, (राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ पत्रकार) भगवान श्रीराम-श्रीकृष्ण, श्री महावीर एवं बुद्ध की धरती और महात्मा गांधी के भारत में अर्से बाद देश और वैश्विक स्तर पर नव हिंदू चेतना जागृत हुई है। इसका पूरा श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। योगी इस चेतना, आध्यात्म और संस्कृति के वाहक बनकर सामने आए हैं। इस चेतना के दर्शन देश और दुनिया को प्रयागराज के महाकुंभ में दृष्टिगोचर हुए। यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। 144 वर्ष बाद गंगा-यमुना और सरस्वती के संगम पर जुटी करोड़ों हिंदुओं की भीड़ ने भारत की अनूठी और दैदिप्यमान संस्कृति की छठा बिखेरी है। यह अद्भुत है। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने देश के लोकप्रिय नेता और सबसे सफल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि मद्धिम कर दी थी। महाकुंभ के सफल आयोजन ने उसे सर्वोच्च ऊंचाइयों पर ला दिया। कई जनपदों में जिलाधिकारी और मुरादाबाद में कमिश्नर रहे साहित्यकार वीरेंद्र कुमार सिंह कहते हैं कि भारत वर्ष की हजारों वर्ष पुरानी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को योगी आदित्यनाथ ने स्पष्टता और दृढ़ता से नई पहचान दिलाई है। यह योगी जैसा राजनेता ही कर सकता था। कुंभ में पुण्य स्नान कर लौटे वरिष्ठ पत्रकार शंभूनाथ शुक्ल कहते हैं कि कुंभ में आवास एवं स्नान की व्यवस्था इतनी सरल और सहज थी कि वहां सभी आराम से नहा रहे थे। पुलिस उनका सहयोग कर रही थी। यह योगी के दबाव के बिना संभव नहीं था। एक लोकप्रिय हिंदी दैनिक के समूह संपादक मुकेश भारद्वाज का इन पंक्तियों के लेखक से कहना था कि शायद ही कोई ऐसी महिला हो जिसकी तीव्र इच्छा इस कुंभ में जाकर स्नान करने की नहीं रही

होगी। वह स्वयं भी अपनी पत्नी के साथ हरिद्वार में गंगा स्नान करके लौटे और प्रयागराज जाने को बेहद उत्सुक हैं।

उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में पुलिस अधीक्षक एवं रेंज में डीआईजी के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले और एक कुंभ की व्यवस्था देख चुके पूर्व आईपीएस और कुलपति डा. अशोक कुमार राघव कहते हैं कि शांति-व्यवस्था और सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन मुख्यमंत्री की दृढ़

इच्छाशक्ति और कड़ाई से चलता है। यूपी में जो भी कानून व्यवस्था में सुधार है इसके पीछे योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट और कड़े निर्देश हैं। योगी इसमें किसी तरह की कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं करते हैं। वह कहते हैं कि नौकरशाही खुद कुछ भी नहीं करती है। यह उसके नैसर्गिक प्रवृत्ति है। कुंभ के सफल आयोजन से देश और विदेश में योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंच गई है। भारत में 2014 के लोकसभा चुनाव में सुप्त हिंदू चेतना को तब महसूस किया था जब गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा ने पहली बार केंद्र में अपने बूते पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। 2024 के लोकसभा चुनावों में यह चेतना फिर धीमी पड़ गई और भाजपा दम लगाकर भी पूर्ण बहुमत का आंकड़ा नहीं छू सकी और उसकी सीटों की संख्या 240 सीटों पर सिमट गई। कुंभ आयोजन के दौरान भाजपा ने चमत्कारिक रूप से दिल्ली में 27 साल बाद विधानसभा चुनाव में आसानी से बहुमत पा गई और उसका लंबा वनवास खत्म हुआ। नरेंद्र मोदी के प्रबल समर्थक अजय गोयल दिल्ली की जीत का श्रेय योगी आदित्यनाथ को भी देते हैं। कुंभ में अपने परिजनों के साथ स्नान करने वाले अजय गोयल ने वहां की व्यवस्था को लोगों के बहुत माफिक और सुगम पाया। दारूल उलूम देवबंद की धरती के कवि एवं पत्रकार परमवीर कौशिक कहते हैं कि महाकुंभ से सनातन संस्कृति का इतना वेगपूर्ण प्रकटीकरण हुआ कि वह सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। हिंदू चेतना के कार्य में तत्पर रहने वाले राम जीवन गुप्ता जो मूलरूप से अयोध्यावासी हैं और लंबे अर्से से दिल्ली में रहते हैं, का कहना है कि कुंभ में स्नान के बाद ज्यादातर लोगों का काशी और अयोध्या की यात्रा पर जाने से साफ पता चलता है कि महाकुंभ ने विश्वभर के हिंदुओं में नई हिंदू चेतना जागृत की है। यदि भारत और दुनिया के हिंदू और कुछ तादाद में दूसरे धर्मावलंबी एवं विदेशी इस आयोजन से बेहद आकर्षित और प्रभावित हुए हैं तो यह भारत की सनातन संस्कृति की ताकत और विशेषता को दर्शाता है। यूं ही नहीं भारत की संस्कृति विश्व में सिरमौर है और भारत विश्व में पहले पायदान पर खड़ा दिखता है।

अमानत में खयानत कर जम्बो डीजल जनरेटर

खरगोन

कीमती 25 लाख रुपये को हडपने वाले बदमाश को थाना बलकवाडा पुलिस ने हिरासत में लेकर किया बरामद।

12.07.2022 को फ़रियादी सतेंद्र पिता कृष्ण पाटीदार 121क्रश्री यंत्र नगर खंडवा रोड इंदौर ने रिपोर्ट किया कि मेरी फर्म जनरेटर किराए से देने का काम करती है मेरी फर्म पर नीलेश बनकर निवासी इंदौर ने आकर बोला कि मुझे जनरेटर किराए से लेना है मेने उससे वर्क ऑर्डर मांगा तो उसने मुझे दिनांक 03/06/2019 को मेरी फर्म का व्यंकटेश एनर्जी के नाम से वर्क ऑर्डर बनाकर 1 लाख 60 हजार रूपए प्रति माह किराए का बनाकर उसने लाकर

मुझे दिया था वर्क ऑर्डर के बाद मेने उसे 07/06/22 को नारायण डेयरी से उसे जनरेटर दे दिया वर्क ऑर्डर के हिसाब से उसने मुझे किराया नहीं दिया तो मेने उससे अपना जनरेटर वापस मांगा तो उक्त व्यक्ति नीलेश बनकर द्वारा मेरा उक्त डीजल जनरेटर वापस न करते हुये अमानत में खयानत कर हडप लिया है रिपोर्ट पर से थाना बलकवाडा पर अपराध क्र. 142/22 धारा 406 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस टीम द्वारा की गई कार्यवाही पुलिस थाना बलकवाडा पर उक्त अपराध की सूचना प्राप्त होने पर वरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराकर पुलिस टीम को सक्रिय कर टीम की मदद से बदमाश के बारे में जानकारी एकत्र की जाकर पतारसी कर आरोपी नीलेश पिता मधुकर बनकर जाति मराठा उम्र 45 साल निवासी पिपलियाना इंदौर को टीम द्वारा इंदौर से दिनांक 12.02.2025 को गिरफ्तार कर रिमांड लेकर उससे उक्त अपराध में गया माल जम्बो डीजल जनरेटर कीमती 25 लाख रुपये को राजस्थान से जप्त किया गया।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

खरगोन कलेक्टर भव्या मित्तल ने सोमवार को राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर रेखा राठौर, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर लोकेश छापरे, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अधीक्षक भू-अभिलेख खुमान सिंह चौहान उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर सुश्री मित्तल ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय भूमि पर किये गए अतिक्रमण को सख्ती से हटाया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए और नियमों के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में चरनोई की भूमि पर किये गए अतिक्रमण को भी हटाने की कार्यवाही की जाए। इस कार्यवाही में यदि कोई व्यक्ति बाधा डाले तो उसके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाए। किसानों की फार्मर आईडी तैयार करने के कार्य की

समीक्षा के दौरान कलेक्टर मित्तल ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र के पटवारियों की बैठक लें और उनके द्वारा फार्मर आईडी बनाने की सतत समीक्षा करें। समीक्षा में जिन पटवारियों की प्रगति संतोषजनक नहीं पायी जाए, उनके विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी कर विभागीय जांच की कार्यवाही की जाए। विभागीय जांच के पश्चात काम नहीं करने वाले पटवारी की वेतनवृद्धि रोकने अनिवार्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में तहसीलवार किसानों के ई-केवायसी की समीक्षा की गई और कम प्रगति पर कलेक्टर द्वारा नाराजगी जाहिर की गई। इस दौरान कलेक्टर मित्तल ने सभी तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को ई-केवायसी पूर्ण करने का साप्ताहिक लक्ष्य देते हुए 28 फरवरी को ई-केवायसी का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। ई-केवायसी कार्य में झिरन्या एवं कसरावद में कम प्रगति पाये जाने पर वहां के पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। विभिन्न राजस्व मदों की वसूली की समीक्षा के दौरान पाया गया कि खरगोन जिले में चालू वर्ष 2024-25 में 12 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य है। इस लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 4 करोड़ 41 लाख रुपये की वसूली हुई है। कलेक्टर मित्तल ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और चेतावनी देते हुए कहा कि जो अधिकारी राजस्व वसूली में काम नहीं करेगा उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। सभी तहसीलों में राजस्व वसूली का लक्ष्य समय सीमा में पूर्ण किया जाए और इसके लिए शिविर लगाए जाए। हर सप्ताह राजस्व वसूली की राशि लाखों रुपयों में होना चाहिए। बैठक में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती के प्रकरणों की तहसील न्यायालयवार समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि सभी प्रकरणों का निराकरण नियत समय सीमा में अनिवार्य रूप से किया जाए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के 300 दिन, 100 दिन एवं 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई और उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

किसान संघ ने दिया ज्ञापन

भूमि का 4 गुना मुआवजा सहित 8 सूत्रीय मांग

उज्जैन

को भारतीय किसान संघ तहसील खाचरोद द्वारा 8 सुत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री महोदय के नाम तहसीलदार महोदय को ज्ञापन दिया गया जिसमें प्रमुख मांगे विगत 12 वर्षों से गाइडलाइन नहीं बढ़ाई गई है अत: प्रतिवर्ष 20त्न के हिसाब से गाइडलाइन बढ़ाई जाए नई गाइडलाइन अनुसार उसका चार गुना मुआवजा दिया जाए, प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरणों को भंग किया जाए यह अपने गठन के उद्देश्य से भटक कर भू माफिया की तरह काम कर रहे हैं, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सात सुत्रीय गाइडलाइन का पालन वर्तमान राजपत्र में नहीं किए जाने से इसे निरस्त किया जाए किसानों की आपत्ति का निराकरण कर

संबंधित दर्ज प्रकरण में पारित निर्णय की प्रति किसानों को प्रदान की जाए, जनहित आवश्यकता विहीन अनियंत्रित भूमि अधिग्रहण को नियंत्रित किया जाकर जितनी भूमिका का अधिग्रहण किया जा रहा है उतनी ही भूमि उस पटवारी हल्के में दी जाए, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया 2013 के मूल स्वरूप अनुसार की जाए, उज्जैन - जावरा ग्रीनफील्ड फोरलेन में जिन किसानों की उपजाऊ जमीन अधिग्रहण की जा रही है उन किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए आदि मांगो को लेकर ज्ञापन दिया उक्त ज्ञापन कार्यक्रम में जिला युवा वाहिनी संयोजक राजाराम सेकवाडीया, तहसील अध्यक्ष श्याम पहलवान धाकड़, तहसील मंत्री श्याम बाबू बंबोरिया, नगर अध्यक्ष गोवर्धन अटोलिया, तहसील उपाध्यक्ष सिददुलाल नायमा सकतखेड़ी, विनोद धाकड़ चापाखेडा, घनश्याम नायमा,बाबुलाल मदारिया सकतखेडी,देवीलाल बंबोरिया आक्याजागीर, ईश्वर लाल मदारिया, अर्जुन बोडाना चोकी, रोहित राठोड़ मिण, कान्हा धाकड़ भाटखेडी, मुकेश नायमा, गोपाल सेदरी, दिनेश नागर, बलराम सगीतरा भाटखेडी, पंकज आठमिया कंचनखेड़ी,रुघनाथ कंचनखेड़ी, लाखनसिंह नरसिगढ, अजय परमार चोकी , रमेश भाटखेडी आदि किसान संघ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खनिज अधिकारी गुणवत्ता के साथ कार्य करें और समय सीमा में राजस्व प्राप्ति में लक्ष्यों को पूरा करें

खरगोन संभागायुक्त दीपक सिंह ने सोमवार को संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर संभाग के खनिज अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में संयुक्त आयुक्त राजस्व श्रीमती सपना लोवंशी, खनिज विभाग के रीजनल हैड एन.एच. वाघमारे, डिप्टी डायरेक्टर श्री मनु डावर सहित धार, झाबुआ, आलीराजपुर, बडवानी, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभागायुक्त सिंह ने सभी अधिकारियों से संभाग के सभी जिलों में चल रही खदानों से प्राप्त राजस्व, अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन, कर निर्धारण आदि विषयों के बारे में चर्चा कर समीक्षा की। संभागायुक्त सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे राजस्व

वसूली में गति लाये और निर्धारित समय सीमा में राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करें। साथ ही अवैध उत्खनन के प्रकरणों का निपटान भी समय सीमा में कराये। अवैध परिवहन के प्रकरणों में कमी लाये। खनिज एवं अन्य विभागों का संयुक्त दल गठित करें और समयावधि में उसका निराकरण कराये। बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि इस बार राजस्व प्राप्ति में इंदौर संभाग का प्रदर्शन अच्छा रहा। माह जनवरी में इंदौर संभाग ने कुल 147.675 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया। जिसमें धार, झाबुआ और आलीराजपुर क्रमशरू प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे। माह जनवरी में धार जिले ने 83.84 करोड़ रुपये, झाबुआ - 8.33 करोड़ रुपये और आलीराजपुर ने 4.575 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया। संभाग में अवैध उत्खनन के 127 प्रकरण दर्ज किये गए। जिसमें से 92 प्रकरण निराकृत किये जाकर 87.823 लाख रुपये की राशि वसूल की गई। संभाग में अवैध परिवहन में भण्डारण के कुल 987 प्रकरण दर्ज किये जिसमें से 867 प्रकरण निराकृत किये जाकर 921.11 लाख रुपये वसूल किये गए। प्रकरण निराकरण एवं जुर्माने की राशि जमा करने के मामले धार जिला प्रथम स्थान पर रहा। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि उत्खनन के 1042 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 50 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण किया गया। कर निर्धारण के मामले में संभाग में कुल 826 कर निर्धारणों में 62.35 प्रतिशत कर निर्धारण किये गए।

आगामी मेले एवं पर्वों के लिए सुरक्षा, स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाऐं सुनिश्चित की जाए : सीईओ जिला पंचायत श्री रावत

नर्मदापुरम

अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्यवाहीयां निरंतर जारी रखे राजस्व एवं नगरपालिका अमला

सभी विभाग कार्यालयों में ई ऑफिस सिस्टम लागू किये जानें के लिए आवश्यक व्यवस्थाऐं सुनिश्चित करें

समय सीमा बैठक आयोजित, अधिकारियों को मिले आवश्यक दिशा निर्देश

सोमवार को जिला पंचायत सीईओ श्री सोजान सिंह रावत की अध्यक्षता में समय सीमा बैठक आयोजित हुई। समय सीमा की बैठक के दौरान ई ऑफिस प्रणाली के लिए अब तक की जा चुकी कार्यवाहियां एवं विभागों द्वारा अध्ययन की गई जानकारियों की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्री रावत ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त प्रणाली के लिए सर्वप्रथम सभी विभागों में ईमेल आईडी बनवाई जाने की प्रक्रिया को संपन्न किया जाए जिससे ई ऑफिस सिस्टम की आगामी कार्यवाही बढाई जा सके। उन्होंने ई ऑफिस सिस्टम के लाभ बताते हुए कहा की ई-ऑफिस प्रणाली से सभी कार्यालयों को फाइलों का समय पर निपटान करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, इससे लंबित मामलों के बेहतर समय प्रबंधन में भी सहायता प्राप्त होगी। उन्होंने जिला सूचना अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रणाली से जुड़ी हुई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की जानकारियों की सूची तैयार कर समस्त जिला अधिकारियों को उपलब्ध करवा दी जाए जिससे कि सभी अधिकारी पूर्व नियोजित ढंग से अपने-अपने कार्यालय में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर सके। आगामी बोर्ड परीक्षाओं की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्री रावत ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देश दिए की वे सभी अपने अनु विभाग अंतर्गत ऐसे समस्त विद्यालयों जिन्हे परीक्षाओं के लिए केंद्र बनाया गया है उनके प्राचार्य के साथ बैठक कर शालाओं में समस्त मूलभूत आवश्यक सुविधाओं जैसे पानी, बिजली, स्वच्छता, परीक्षार्थियों के बैठने के लिए बेंच एवं कुर्सियों की व्यवस्था आदि की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें साथ ही बैठक के दौरान केंद्र अध्यक्ष, बीईओ, कलेक्टर प्रतिनिधि, उड़न दस्ता दल आदि को भी सम्मिलित करें। इसी के साथ केंद्र पर 100 गज की दूरी का पहचान चिह्न भी अंकित कर लिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉल्ड है उनका भी निरीक्षण कर इंस्पेक्शन कर लिया जाए। सीईओ श्री रावत ने पीएम विश्वकर्मा योजना की समीक्षा करते हुए समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया की पंचायत वार एवं वार्डवार योजना से संबंधित सभी ट्रेड्स में प्रथम स्टेज पर लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करवाया जाना सुनिश्चित करें। पीएम सूर्य घर योजना के लिए भी सभी सीईओ आवश्यक जानकारी एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर संबंधित विभाग को उपलब्ध करवाए। मेले एवं पर्वों को दृष्टिगत रखते हुए सभी एसडीएम द्वारा मेला स्थलों, घाटों, मंदिरों आदि स्थानों पर निरीक्षण करते हुए उक्त स्थानों पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाने वाली आवश्यक साफ सफाई, पार्किंग तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश सीईओ श्री रावत द्वारा दिए गए। उन्होंने कहा कि उक्त सभी स्थानों पर बेहतर भीड़ प्रबंधन लागू किया जाए जिससे कि किसी भी आपात एवं अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। उन्होनें इसके लिए आवश्यक रूप से कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर उनके दायित्व निर्धारित करनें के निर्देश भी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा दिये गये। समय सीमा बैठक के दौरान समाधान ऑनलाइन के लिए चिन्हित शिकायतों की समीक्षा करते हुए श्री रावत ने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि निजी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतों का प्राथमिकता के तौर पर निराकरण किया जाए। इसी के साथ उन्होंने सभी विभागों को समाधान ऑनलाइन के लिए चिन्हित शिकायतों से संबंधित कोई भी अन्य शिकायत कार्यालयीन स्तर पर लंबित न हो यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल की विस्तारपूर्वक समीक्षा की तथा आरसीएमएस पोर्टल पर लंबित सीमांकन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी राजस्व अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण में गति पकड़े। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत ने समस्त नगर पालिका अधिकारियों एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में अतिक्रमण के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई की जाए। अवैध रूप से किए गए पक्के निर्माणों को भी हटाने का कार्य प्राथमिकता पर करे। समय सीमा बैठक में सीईओ श्री रावत द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान, जल जीवन मिशन, समय सीमा बाह्य प्रकरण, सीपी ग्राम पर लंबित शिकायतों सहित अन्य विषयों की भी सूक्ष्मता से समीक्षा की। उन्होंने पीएचई विभाग को निर्देश दिए कि आगामी ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जिले में जिन स्थानों पर जल आपूर्ति संकट जैसी संभावनाएं हैं उन स्थानों को चिन्हित कर वहां पर निर्बाध जल आपूर्ति भी सुनिश्चित कर ली जाए। समय सीमा की बैठक के दौरान डिप्टी कलेक्टर श्रीमती संपदा गुर्जर, सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

भूमि अधिग्रहण के विरोध में भाकिसं ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

देवास कन्नौद कन्नौद। आवश्यकता विहीन अनियंत्रित भूमि अधिग्रहण के विरोध में भारतीय किसान संघ तहसील इकाई कन्नौद ने सोमवार को तहसीलदार अंजली गुप्ता को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। और कहा कि भारतीय किसान संघ विकास विरोधी नही है। परंतु खेती किसानी का विनाश करने वाले विकास का समर्थन भी नही करता है। अत: सरकार से यह बात स्पष्ट कहना चाहता है कि इन्दौर में आउटर रिंग रोड के लिये किसानों की सहमति के बिना ज्यांइट सर्वे प्रारंभ किया गया है उसे रोका जाए। विगत 12 वर्षों से गाइड लाईन नही बढाई गई अत: प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत के हिसाब से गाइड लाईन बढाई जाए। नई गाइड लाईन अनुसार उसका 4 गुना मुआवजा दिया जाए। प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरणों को भंग किया जाए। यह अपने गठन के उद्देश्य से भटक कर

भू माफिया की तरह काम कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सात सूत्रीय गाइड लाईन का पालन वर्तमान राजपत्र मे नहीं किये जाने से इसे निरस्त किया जाये। किसानों की आपत्ति का निराकरण कर संबंधित दर्ज प्रकरण में पारित निर्णय की प्रति किसानो को प्रदान की जाये। जनहित आवश्यकता विहीन अनियंत्रित भूमि अधिग्रहण को नियंत्रित किया जाकर जितनी भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है उतनी ही भूमि पर पटवारी हल्के में दिया जाये। भूमि ग्रहण की प्रक्रिया अधिनियम 2013 के मूल स्वरूप अनुसार की जाये। उपरोक्त न्यायोचित बिन्दुओं पर सरकार गंभीरता से निर्णय नहीं लेती है तो भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत प्रत्येक तहसील स्तर पर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस दौरान जिला मंत्री गोरेलाल गुर्जर रामनिवास परमार ओम प्रकाश परमार माखन परमार हरिओम मंडलोई सत्यनारायण शर्मा संजय पटेल रवि पड़ोलिया मंथन मीणा कमल मीणा दीपक जोनवाल योगेश पटेल पवन सीरा गोविंद बारवाल गबरू मैहर भूरा पठान इस दौरान बड़ी संख्या मे किसान मौजूद थे।

पंचकोशी यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करें

हरदा

कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को दिए निर्देश

आगामी दिनों में आयोजित होने वाली पंचकोशी यात्रा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान कोई परेशानी ना हो यह सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित बैठक में उपस्थित अधिकारियों को दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौक से वन मंडल अधिकारी श्री अनिल चोपड़ा, संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय के

अलावा हरदा टिमरनी और खिरकिया के एसडीएम सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि तीर्थ यात्रियों के लिए पेयजल, शौचालय, यात्रा मार्ग में साफ सफाई तथा तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग में नदी किनारे घाटों पर रात्रि में प्रकाश व्यवस्था की जाए तथा यात्रा मार्ग में नर्मदा नदी के घाटों पर पर्याप्त संख्या में नगर सैनिक, गोताखोर एवं तैराक तैनात किए जाएं।

सिंगापुर में भारतीय मूल के नेता ने संसदीय समिति से बोला झूठ

इंटरनेशनल डेस्क: सिंगापुर में विपक्ष के भारतीय मूल के नेता प्रीतम सिंह पर सोमवार को 14,000 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया गया। एक जिला अदालत ने सिंह को संसदीय समिति के समक्ष शपथ लेकर झूठ बोलने के दो मामलों में दोषी पाया। सिंह पर दो आरोपों के लिए अधिकतम सात-सात हजार सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया गया। सुनवाई के बाद विपक्ष के नेता ने पत्रकारों से कहा कि वह इस वर्ष नवंबर में होने वाले आम चुनाव में भाग लेंगे। सिंगापुर के संविधान के अनुसार, अगर किसी वर्तमान सांसद को कम से कम एक वर्ष की जेल हो या उस पर कम से कम 10,000 सिंगापुर डॉलर का जुर्माना लगाया जाए तो वह अपनी सीट खो देगा तथा चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। हालांकि, निर्वाचन विभाग ने सोमवार को पुष्टि की

कि सिंह पर लगाई गई सजा उन्हें सांसद के रूप में अयोग्य ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। विभाग ने कहा कि अयोग्यता एक ही अपराध के लिए दी गई सजा पर आधारित है। 'फेसबुक% पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा कि उन्होंने अपनी कानूनी टीम को अपील नोटिस दाखिल करने तथा लिखित फैसले को बारीकी से देखने का निर्देश दिया है। सजा सुनाए जाने के बाद राज्य न्यायालय में मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि उनका इरादा आगामी आम चुनाव लड़ने का है, जो इस वर्ष नवंबर में होने वाला है। उप प्रधान जिला न्यायाधीश ल्यूक टैन ने सिंह सदन में झूठ बोलने के दो आरोपों में दोषी ठहराया। एक मामला 2021 में पार्टी के एक पूर्व सदस्य और सांसद रईस खान के एक अन्य झूठ बोलने के मामले से जुड़ा है। सिंह (48) पर 10 दिसंबर और 15 दिसंबर 2021 को खान के मामले की जांच के दौरान विशेषाधिकार समिति (सीओपी) को जानबूझकर दो झूठे जवाब देने का आरोप था। सिंह विपक्षी 'वर्कर्स पार्टी% के महासचिव हैं और उन्हें सोमवार को दोषी ठहराया गया। न्यायाधीश ने सजा सुनाते हुए कहा, ''अदालत को शपथ लेने के बाद सच्ची जानकारी देने के महत्व पर संदेश देना चाहिए। न्यायाधीश ल्यूक टैन अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष दोनों से सहमत थे कि सिंह के मामले में जेल की सजा उचित नहीं है। सिंह पर 10 दिसंबर और 15 दिसंबर, 2021 को खान के मामले की जांच के दौरान सीओपी को जानबूझकर दो गलत जवाब देने का आरोप लगाया गया था। उन पर दो मामलों में झूठी गवाही देने का आरोप लगाया गया था। अभियोजन पक्ष ने प्रत्येक आरोप पर अधिकतम 7,000 सिंगापुर डॉलर के जुर्माने का अनुरोध किया था। सिंह पर मुकदमा चार महीने पहले शुरू हुआ था। इस फैसले के तहत उन्हें संसद से अयोग्य घोषित किया जा सकता है और इस वर्ष आम चुनाव लड़ने से भी अयोग्य ठहराया जा सकता है।

कनाडा में हुआ प्लेन क्रैश
मच गई चीख-पुकार

इंटरनेशनल डेस्क: कनाडा के टोरंटो स्थित पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डेल्टा एयर लाइंस का एक विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 18 लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। विमान में कुल 80 लोग सवार थे, जिनमें 76 यात्री और 4 क्रू मेंबर्स शामिल थे। यह विमान अमेरिका के मिनियापोलिस से टोरंटो जा रहा था और लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस दुर्घटना का कारण फ्लैप एक्चुएटर फेलियर माना जा रहा है, जिसके कारण विमान के पंखों पर लगे फ्लैप सही से कार्य नहीं कर पाए, और विमान लैंडिंग के दौरान अचानक पलट गया।

जांच जारी, कनाडा और अमेरिका के सुरक्षा बोर्ड कर रहे हैं जांच

कनाडा की परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने इस हादसे की जांच शुरू कर दी है, और इस मामले में अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड भी सहायता कर रहा है। सुरक्षा अधिकारी विमान की स्थिति, मौसम के प्रभाव और अन्य संभावित कारणों की जांच कर रहे हैं ताकि इस दुर्घटना के वास्तविक कारण का पता चल सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

इस हादसे के बाद एयरलाइंस और विमानन अधिकारियों ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विमान की मरम्मत और तकनीकी जांच भी की जा रही है, ताकि फ्लैप एक्चुएटर फेलियर जैसे मुद्दों को भविष्य में रोका जा सके।

29 जनवरी- अमेरिका में प्लेन-हेलिकॉप्टर क्रैश, सभी 67 की मौत

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन *DC* में 29 जनवरी को यात्री विमान और हेलिकॉप्टर में हुई टक्कर में सभी 67 लोगों की मौत हो गई थी। क्रैश के बाद दोनों पोटोमैक नदी में गिर गए थे। प्लेन में 4 क्रू मेंबर समेत 64 और हेलिकॉप्टर में 3 लोग सवार थे। हादसे के बाद अमेरिकी एयरलाइंस का प्लेन पोटोमैक नदी में तीन टुकड़ों में पड़ा मिला। प्लेन और हेलिकॉप्टर दोनों के फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर मिले। घटना रोनाल्ड रीगन एयरपोर्ट के पास हुई। हादसा स एयरलाइन्स के *CRJ*700 बॉम्बार्डियर जेट और सेना के ब्लैक हॉक (॥-60) हेलिकॉप्टर के बीच हुआ था। अमेरिकन एयरलाइन्स का जेट कंसास राज्य से वॉशिंगटन आ रहा था।

मौसम भी हो सकता है कारण

कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि दुर्घटना के समय टोरंटो में तेज बर्फीला तूफान चल रहा था। कनाडा के मौसम विभाग के अनुसार, उस समय हवाएं 65 किमी/घंटा की गति से चल रही थीं। इस तेज हवाओं और बर्फीले तूफान के प्रभाव के कारण भी विमान पलट सकता था। हालांकि, हादसे के सही कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

हॉस्टल में मृत पाई गई नेपाली छात्रा

कैंपस छोड़ जाने लगे छात्र, ओली ने कर दी ऐसी मांग

भुवनेश्वर/काठमांडू: ओडिशा में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज की बीटेक तृतीय वर्ष की नेपाली छात्रा ने अपने छात्रावास में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। संस्थान में तनाव के बाद सोमवार को नेपाल के छात्रों के एक समूह को परिसर से बाहर निकाल दिया गया। छात्रा की पहचान नेपाल की प्रकृति लामसाल के रूप में हुई है।

'कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) के रजिस्ट्रार ने बताया कि लामसाल संस्थान में बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा थी। सूत्रों ने बताया कि परिसर में स्थिति बिगड़ने पर केआईआईटी अधिकारियों ने कुछ नेपाली छात्रों को छात्रावास से कथित तौर पर निकाल दिया और उनकी यात्रा की कोई व्यवस्था किए बिना उन्हें कटक रेलवे स्टेशन पर छोड़ दिया। कुछ छात्रों ने दावा किया, ''हमारे पास भोजन, पानी या रेल टिकट खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। कई छात्र आरक्षित टिकट नहीं मिल पाने के कारण पुरी-पटना एक्सप्रेस ट्रेन में सामान्य डिब्बे में चढ़ गए। हालांकि, नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के दखल के बाद, परिसर से बाहर किए गए छात्रों को कुछ राहत मिली। ओली ने फेसबुक पर नेपाली भाषा में लिखा, ''मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से हमारे संज्ञान में आया है कि ओडिशा में केआईआईटी के एक छात्रावास में एक नेपाली छात्रा की मौत हो गई है और नेपाली छात्रों को जबरन बाहर निकाल दिया गया। सरकार इस मामले पर कूटनीतिक माध्यम से काम कर रही है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। ओली के दखल के बाद, केआईआईटी अधिकारियों ने

नेपाली छात्रों से परिसर में लौटने की अपील की। ??केआईआईटी ने कहा, ''हमारे सभी नेपाली छात्रों से अपील की जाती है कि वे वापस लौटें और कक्षाओं में शामिल हों। ओली ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''नई दिल्ली स्थित हमारे दूतावास ने ओडिशा में प्रभावित नेपाली छात्रों की काउंसलिंग के लिए दो अधिकारियों को भेजा है। इसके अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की गई है कि उनके पास अपनी पसंद के आधार पर या तो अपने छात्रावास में रहने या घर लौटने का विकल्प हो। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने कहा कि घटना के संबंध में कूटनीतिक पहल की जा रही है। बाद में, एक अलग बयान में, दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास ने कहा कि केआईआईटी ने आश्वासन दिया है कि वह विश्वविद्यालय छात्रावास में नेपाली छात्रों के ठहरने की व्यवस्था करेगा तथा उनके शैक्षणिक नुकसान की भरपाई करेगा।

दूतावास ने कहा कि वह भारत सरकार और ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय के संपर्क में है तथा घटना के संबंध में अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। इससे पहले, छात्रा के चचेरे भाई ने भुवनेश्वर में इन्फोसिटी थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी बहन ने रविवार को अपने छात्रावास के कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालय का एक छात्र उनकी बहन को 'ब्लैकमेल कर रहा था, जिसके कारण उनकी बहन ने आत्महत्या कर ली। केआईआईटी ने बयान में कहा, ''बीटेक तृतीय वर्ष में पढ़ने वाली नेपाल की छात्रा ने रविवार को छात्रावास में आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि छात्रा केआईआईटी में ही पढ़ने वाले एक अन्य छात्र से प्रेम करती थी...। केआईआईटी ने कहा कि घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) पिनाक मिश्रा ने कहा, ''हमने इन्फोसिटी थाने में एक छात्र के खिलाफ छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपी छात्र पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने छात्रा का मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य गैजेट जब्त कर लिए हैं। हम मामले की जांच कर रहे हैं।

पापा ने मम्मी को मार डाला 5 साल की मासूम ने ड्राइंग बनाकर बताई हत्या की सचाई

नेशनल डेस्क. एक विवाहिता गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाई गई और कुछ समय बाद ही उसकी मौत हो गई। लड़की के मायके वालों को सूचना दी गई कि उसने आत्महत्या कर ली है लेकिन जब मायके वाले पहुंचे तो महिला की 5 साल की बच्ची ने उन्हें रो-रोकर सारी कहानी बता दी। लड़की ने ड्राइंग बनाकर बताया कि पापा ने मम्मी का गला दबाकर मारा तो मायके वाले भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया। महिला के मायके वाले यह दावा कर रहे हैं कि ससुराल वालों ने दहेज के लिए उसकी हत्या की और शव को फांसी के फंदे पर लटका दिया। ससुराल वालों ने स्थिति बिगड़ते देख मौके से भागने की कोशिश की। मायके वालों ने यह भी कहा कि जब तक आरोपितों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक वे महिला का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाकर मामला शांत किया और जांच शुरू की। मृत महिला सोनाली के पिता संजीव त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी की शादी 2019 में झांसी के शिव परिवार कॉलोनी में संदीप गोदौलिया से हुई थी। संदीप एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव है। शादी के बाद से ही सोनाली को उसका पति और ससुरालवाले परेशान करने लगे थे, जब उसने पांच साल पहले अपनी बेटी को जन्म दिया था, तब उसके ससुरालवाले उसे ताने मारते थे और अस्पताल में अकेला छोड़कर भाग गए थे। इस पर सोनाली बेटी को अपने साथ मायके ले आई थी। सोनाली की शादी के करीब एक साल बाद ससुराल वालों ने उसकी बेटी को साथ ले गए और उसे उत्पीड़ित करने लगे। इस पर सोनाली ने अपनी बेटी के साथ ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। हालांकि, छह महीने पहले एक समझौता हुआ था। 12 फरवरी को सोनाली अपनी मासूम बेटी को लेकर अपने मामा के बेटे की शादी में गई थी। शादी के दो दिन बाद 14 फरवरी को सोनाली के पति ने फोन करके उसे घर आने के लिए कहा और धमकी दी कि अगर वह नहीं आई तो वह कभी घर न लौटे। इसके बाद शनिवार शाम को बेटी को ससुराल भेज दिया। सोमवार सुबह सोनाली के ससुराल से फोन आया कि उसकी तबीयत खराब है। बाद में फिर फोन आया कि सोनाली ने फांसी लगा ली। यह सुनकर परिवार अस्पताल पहुंचे, जहां सोनाली की पांच साल की बेटी ने रोते हुए बताया कि पापा ने मम्मी को मारा और फिर उनका गला दबा दिया। इस घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) रामवीर सिंह ने बताया कि महिला के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जो हत्या के आरोपों को बल देते हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि सोनाली की मौत कैसे हुई।

मिस्र में इमारत ढहने से 10 लोगों की मौत, कई अन्य घायल

इंटरनेशनल डेस्क. मिस्र में सोमवार सुबह एक आवासीय इमारत ढह गई, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मिस्र के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि वृहद काहिरा के पश्चिमी भाग के केरदासा शहर में हुई इस घटना के बाद वहां बचाव दल और एम्बुलेंस की तैनाती की गई है। बचावकर्मी इमारत के मलबे को हटाकर पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं।

अमेरिका का सीरिया पर बड़ा हमला

अल-कायदा आतंकी समूह का वरिष्ठ कमांडर किया ढेर

इंटरनेशनल डेस्क: सीरिया में आतंकी गतिविधियों को खत्म करने के लिए अमेरिका आक्रामक नीति अपना रहा है।अमेरिकी सेना ने सीरिया में एक हवाई हमले के जरिए अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन हुर्र-अल-दीन के एक सीनियर कमांडर को मार गिराया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने रविवार (16 फरवरी, 2025) को इस ऑपरेशन की पुष्टि करते हुए कहा कि यह हमला आतंकवाद के खिलाफ चल रहे अभियानों का हिस्सा था। अमेरिकी

सेंट्रल कमांड के मुताबिक, शनिवार (15 फरवरी) को उत्तर-पश्चिमी सीरिया में किए गए इस सटीक हवाई हमले में आतंकी संगठन हुर्र-अल-दीन का एक वरिष्ठ वित्त और रसद अधिकारी मारा गया।

यह आतंकी संगठन अल-कायदा से संबद्ध है और अमेरिका तथा उसके सहयोगियों के खिलाफ हमले की साजिश रचने में सक्रिय था।अमेरिका के सेंट्रल कमांड के बयान में कहा गया, यह ऑपरेशन आतंकियों के उन प्रयासों को बाधित करने के लिए किया गया है, जिनका मकसद अमेरिकी और सहयोगी देशों के नागरिकों और सैन्य कर्मियों पर हमले करना था। अमेरिकी सेंटकॉम जनरल माइकल एरिक कुरिल्ला ने कहा कि हम अपनी मातृभूमि तथा अपने सहयोगियों की सुरक्षा के लिए आतंकवादियों का पीछा करना जारी रखेंगे और उन्हें खत्म करेंगे।

अमेरिका ने 2019 में हुर्र-अल-दीन को एक आतंकवादी संगठन घोषित किया था और इसके कई शीर्ष नेताओं पर इनाम भी घोषित किए गए थे। इस हमले से तीन दिन पहले इराक के रावा क्षेत्र में भी इराकी सुरक्षा बलों ने हवाई हमला कर *ISIS* के पांच आतंकियों को ढेर किया था।

बता दें कि अमेरिका ने हाल के महीनों में आतंकियों पर हमले तेज कर दिए हैं। 30 जनवरी को भी सीरिया के उत्तरी-पश्चिमी हिस्से में अमेरिकी एयर स्ट्राइक में हुर्र-अल-दीन के सीनियर कमांडर मुहम्मद सलाह अल-जबीर को मार गिराया गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569